२
३

राग प्रकाश

راگ پرکاش

by Radha Kishan

जिसमें अनेक रागद्वारा श्री परब्रह्म भक्त भयहारी यशोदा
गृह बिहारी आनन्दकन्द श्री राधाकृष्ण और देव
भय हारिणी परम कृपा कारिणी श्रीभगवती
श्री आदि का चरित्र वर्णित है

जिसको

श्री ७ मन्महाराजाधिराज सकल गुण निधान शीलवान्
श्री जगदीश्वरी प्रचण्ड कृपा पात्राधिकारी श्री राजा
माधोसिंह बहादुर क्षितिपाल अमेठी देशाधिपति ने
अनेक राज सम्बन्धी ग्रन्थों की रीति से मति अनुसार
ललित भाषा में निर्माण किया था

वही तीसरी बार

मुन्शी नवलकिशोर के छापेखाने में छापागया

लखनऊ

अक्टूबर सन् १८८३ ई०

N K P - Lucknow
1883

विज्ञप्ति

इस महीने अर्थात् अक्तूबर सन् १८८३ ई० पर्यन्त जो पुस्तकें बेचने के लिये तय्यार हैं वह इस सूचीपत्र में लिखी हैं और उसका मोल भी बहुत किफ़ायत से ठहराकर नियत हुवा है परन्तु व्यापारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिनको व्योपार की इच्छा हो वह कार्यालय के मुहतमिम अथवा मालिक के नाम खत भेजकर कीमत का निर्णय करलें ॥

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
भाषा इतिहास	पर्व्व व मौशल पर्व्व बा-	धर्म्म व आपद् धर्म्म व
महाभारत	नाप्रस्थान पर्व्व स्वर्गा	मोक्ष धर्म्म राज धर्म्म
१- पहिले हिस्सा में	रोहण पर्व्व हरिवंशपर्व्व	११- अश्वमेध आश्रम
आदि पर्व्व सभा पर्व्व -	महाभारत पर्व्व अलेह-	वासिक पर्व्व व मौशल
वन पर्व्व	दा भी हैं	पर्व्व महाप्रस्थान स्व-
२- दूसरे हिस्सा में	१- आदिपर्व्व	र्गारोहण
विराट् पर्व्व उद्योग पर्व्व	२- सभा पर्व्व	१२-हरिवंश पर्व्व
भीष्म पर्व्व द्रोण पर्व्व	३- वन पर्व्व	महाभारत भाषा सबल
३- तीसरे हिस्सा में	४- विराट् पर्व्व	सिंह चौहान कृत
कर्ण पर्व्व शल्य पर्व्व	५- उद्योग पर्व्व	१ - आदिपर्व्व
गदा पर्व्व सौप्तिक पर्व्व	६- भीष्म पर्व्व	२ - सभा पर्व्व
ऐषीक पर्व्व विशोक प-	७- द्रोण पर्व्व	३ - विराट पर्व्व
र्व्व स्त्री पर्व्व शान्ति पर्व्व	८- कर्ण पर्व्व	४ - उद्योग पर्व्व
में राजधर्म्म आपद्धर्म्म	९ शल्य पर्व्व व गदा	५ - भीष्म पर्व्व
मोक्ष धर्म्म	पर्व्व सौप्तिक पर्व्व अथ	६ - द्रोण पर्व्व
४ - चौथे हिस्सा में	ऐषिक व विशोक व	७ - कर्ण पर्व्व
शान्ति पर्व्व दान धर्म्म	स्त्री पर्व्व	८ - शल्य पर्व्व
		९ - गदा पर्व्व
अश्वमेध व आश्रम वासिक	१०- शान्ति पर्व्व राज-	१० - स्त्री पर्व्व
		११ - स्वर्गारोहण पर्व्व

श्रीगणेशायनमः ॥

रागप्रकाश ॥

दोहा ॥

श्रीसतगुरुपदपंकरुह प्रणवोंसहितसनेहु ॥ दासबिनयसुनिकरिकृपा बिशदबिमलमतिदेहु १ भवतारणिकारणि जगतसुबसबिहारिणिमात ॥ अधमउधारणिअघहरणिसुयशवेदबिख्यात २ सिद्धिसदनसुन्दरबदन रदनएकचषतीन ॥ मदनकदनसुतचन्द्रयुतद्रवहुजानिजनदीन ३ दिनकरकुलकछवाहतेबंलधुगोत्रप्रसिद्धि ॥ नृपमाधवक्षितिपालजू कियोरागकीवृद्धि ४ ॥ सोरठा ॥ बिदित अमेठीदेश अवधजन्मजामध्यमें ॥ कीन्ह्योबासनरेश रामनगरआश्रमसुभग ५ गुरुपञ्चमिमधुमास शाकेसत्रहसैअसी ॥ बिरच्योरागप्रकाशबहु ग्रन्थनअवलोकिकै ६ बुधजनतजैंनबानिरहैभलाईभलेनकी ॥ काव्यपरिश्रमजानि भूलोदेखिसुधारिहैं ७॥ रागभैरवतालचौताला ध्रुपद ॥ शिवगुरुमनिशबि

वेकरबिहतबहुवृजिनजाल सुरबरगणबिनुतपाद मन्तरायकालम्। बोधभानुभानुराजशीर्णशेषज नराजिबर्त्यबोधतिमिरकन्दमिन्दुभूषभालम्। अ जिनबसनसातसदनचारु भुजगरत्नभूषदनुजाम रसेठ्यपादपद्ममिनसुधां सुबीतिहोत्रलोचनंहि बिशरणशरणम्। प्रणौमिजह्नुजाबिराजमानमौ लमुण्डमालम् ८॥ रागभैरवतालचौतालाध्रुपद ॥ बाले जगजननि अम्बचरणशरणहरिदिनेशसहसबद नसुयशगीतसुरबरहितकारी। अरुणकमलपदनि वासपुस्तकबरअभयदान अंकुशमालाबिचित्रधनु षपाशधारी। चंद्रभानुश्रवणभूषशोभितशशिरोरि माथरबिसमशिरमुकुटराजिदेवबिघ्नहारी। जगत जलधिपारदेविकीजैक्षितिपाल बालरक्षरक्षमहा रानिरामकृष्णतारी ९॥ रागभैरवचौतालाध्रुपद ॥ ग णपतिगजबदनदेव शोभितशशिभाललालअभ यकमलपरशुशूलसहितकरबिधाता। सुरनप्रणत पादनाथ त्रिभुवनरचनाअधार अर्थधर्मकाममोक्ष दोजैममदाता। बिघ्नकदनशुभगरदन कोटिसूर्य्य समप्रकाश बिनतीक्षितिपालबाल सुनियेहेताता। तीनिदेवशीशछांहचरणनमहिमाअपार देहुबुद्धि

शुद्धबेगिगौरीतनजाता १० ॥ अथभैरवरागश्रीरागिनी मध्यमादिचौताला ॥ जयजयजगजननिअम्बसुरपति हरिपूज्यपाद पापशोकदुःखदलनि असुरदलप्र हारी। चण्डमुण्डरक्तबीज शुम्भहत्योसैन्यनाश धूम्रदुष्टभस्मस्वास महिषतूबिदारी। ब्रह्मरुद्रतुव अधार देवनकोतुहीआश तीनिभुवनसकलजीव देविआपुतारी। चरणएकहैअलम्ब कीजैक्षितिपा लपार सोइगईमहारानिदासकोउबारी ११ ॥ रागभैरवीचौताला ॥ मुरलीधरमुरलीबजावैंरी प्यारी चलुतोहिंदिखावैंरी। अतिबिचित्रतनचारुबिराजै देखततुरतरिझावैंरी।जियहुलासदोऊमिलिबिहरैं सौतिनबिरहसुनावैंरी। भक्तिमातुक्षितिपालबिन ययहश्यामलतुमहिंमनावैंरी १२ ॥ रागबंगालहोरी धमारि ॥ चलोहोरीखेलैंधूममचावैं पकरिलालदैगा री।दुलहीश्यामकुवँरिराधाजू जीतिआजकरैंप्या री।पगनलाययशुमतिसोंकहियेपेखुमातुगिरिधा री।लखिबिपरीतिमगनक्षितिपालजूधनिवृन्दाब ननारी १३ ॥ रागबराटिकाचौताला ॥ सरसूर्य्यमार तण्ड मिहिरअर्क चित्रभानु दिनकररबिबिवस्वान तिमिरनाशकारी।लोकनाथलोकचक्षुग्रहपतिहरि

उष्णरश्मि भास्करहरिदश्वमित्र दुःखनाशकारी। कुण्डलयुगराजमान सरसीरुहचक्रपाणि एकचक्र हेमजान दैत्यनाशकारी । ध्यानहेतुअम्बपाद सेव कक्षितिपालबाल कालतातजगतनाथ मोहनाश कारी १४ ॥ रागसैंधवीहोरीधमारि ॥ सुनोंबलफेटसँ भारोग्वालटेरदेसजिकिशोरचढ़िआई । दौरिप्या रिबिजुरीसीहरिपैमुरलिहारहरिलाई।मगनराधि कारंगउड़ावैं सकुचिलालशिरनाई । बिनयसुनो क्षितिपालकृष्णदेचरणध्यानश्रीमाई १५ ॥ राग मालकोसचौताला॥ गौरीपदभजनकरो तूरेसुरपालय जगतमातुतजोबिषयध्यावदेवि । बरणतअपूर्बरू प गावैंज्यहिचारवेद चतुराननजूअन्तहूनपावैंदे वि। श्रीरूपमोहनाशयपालैरचैजगतमुनिगणध्या नकरतसकलआदिदेवि । क्षितिपालचिन्तादूरिक रोअम्बहरितेरोचरणपायदेवैचारौ अर्थदासनको तुहीदेवि १६ ॥ रागटोड़ीतालचौताला ॥ अम्बचरण ध्यानधरो जगतमोहनाशकरो तनपबित्रवेगिहोत सुरपतिपदपाई । हरिदिनेशब्रह्मरुद्र सहसानन सकलदेव तीनिलोकजड़चैतन्य महामायगाई । बुद्धिरूपज्ञानरूप दयारूपदानरूप निराकारस

त्यरूप ऐसीवहमाई। येभवानिसुनहुटेर बिनती
क्षितिपालबाल कालत्रासमेटुवेगि देरीमतिलाई
१७॥ रागखंभावतीचौताला॥ पावसऋतुआयोचको
र मोरशोरधुकारमेघ श्रवणपरतअतिबिरहप्यारी
बिनश्यामपाय। कामदहनबिकलसकलतनभरत
स्वास चपलबंकदुःखदाय। घूमिसदनमलिनबद
न लखिसूनिसेजनयनजलभरिआय। बामबिबस
अनिलसलिल चहुंझकोरजोरशोर क्षितिपालझ
रिलाय १८॥ रागगौरीतालचौताला॥ शूलपाणिशंभु
नाथ शंकरशिवनीलकण्ठ पशुपतिहरमहादेव
जगतगुरुबिधाता। जटाजूटगङ्गाधर इन्दुभालस
र्पमाल शोभितसर्वांगभस्म ज्ञानरूपताता। कर
त्रिशूलचापबाण डमरूअरुपरशुचर्म्म अर्थधर्म्म
काममोक्ष बामदेवदाता। महाअज्ञजानुनाथ सेव
कक्षितिपालबाल भक्तिएकदेहुमोहिं त्रिभुवनयो
माता १९॥ रागगुणकरीतालशूलफाक्ता॥ त्रिलोकजन
नी भवसमुद्रहरनी शरणदासपरनी शास्त्रबिदि
तकरनी सकलजीवभरनी ज्ञानयोगसरनी क्षि
तिपालशोकदलनी देदयालुतरनी २०॥ रागकुकु
भचौताला॥ धन्यकालिकाद्रयाल सिंहचढ़ीअतिक

राल गरजतकरखड्गशूल असुरध्वंसकारी। हति निशुम्भशुम्भकाटि मुण्डदल्योमहिषनाशतदान वदलचर्वयन्ति रक्तबीजमारी। सर्वआदिसर्वरूप तारकतूसर्वनाम व्यापकजगसर्वजीव हरिविरं चितारी। शरणएकतुहीमातुसुनियेक्षितिपालआ श चरणतरणिवेगिदेहु भवसमुद्रभारी २१॥ राग हिंडोलतालचौताला॥ गावोतूमहामाय भवभयवह हरततुरतमनावतपावतचारोदेवेशसगनसहसान न महिमाकौनपारजानध्यावहुंहेबाला। अरुणच रणशुभनूपुरसोहत नखकीद्युतिदेखतलज्जानि शाकरमनकरतहैं भूषणबसनशुभगलाल चारुब दनमुकुटलखतदिनकरभ्रमसाला। करअँकुशचाप बाणगदाअशिविराजमान अभयदानीवेदविदित सर्वआदिब्रह्मपूज्यपादतारकयशमयीदयालुरूप वहभवानिहरतजगतकलुषजाला। देवटेरश्रवण परतप्रकटआयछांहकीने निशुम्भशुम्भकोकाट्यो मुण्डबिदारेवमहारानि वेगिभजोक्षितिपालबाल सुखजोचहतपरिणामसेवतूत्रिकाला २२॥ हिंडो लकीरागिनीरागविलावलहोरीतालधमार॥ धुनि॥ बमारिमो हनकीसुतुरीबजतमुरलीधुनिबनकीओररी। डफ

धुकारअबीरनभपूरितजनुबरषाकोअधिकजोररी
२३॥ रागरामकलीतालधमारि॥ खेलतदोऊचाचरिभा
नुसुतापैब्रजनारीनँदलाला।चहुंगुलाबकेसरिरँग
बरसेनचतनारिगतिताला। चमकिप्यारेचपला
सीआईपलटिगईलैमाला। धन्यफागुक्षितिपाल
कृष्णजूभक्तिदेहुश्रीबाला २४ ॥रागदेशाख्यहोरीताल
धमारि॥ देखोरीधँसिआयोनँदनन्दनजूकरगुलाल
पिचकारी।हँसियेरीलैनामललीकोजीतश्यामकी
जारी। गहोदौरिमुरलीधरिछीनोकसोफेंटसखि
सारी। जयतिमातुराधाजीहोरी सुनिक्षितिपाल
हितारी २५ ॥ रागपटमंजरीतालझपताला॥ भवानी
मृड़ानीकालिकामातुताराश्रीबाला। बाकदानीरु
द्राणीसुबाणीमंगलापिंगलाभद्रकालीअम्बाकृपा
ला। ईशरानीइशानीत्रिपुराचण्डिकागौरीमुण्डमा
लिनशिवादुर्गाबिशाला। पार्बतीबगलाबिन्ध्यबा
सिनीध्यावोतूक्षितिपालत्रिकाला २६॥रागललितता
लचौताला॥प्रगटज्योतिज्वालाजीत्रिभुवनमहरानी।
शम्भुकृष्णरामआदि पावतनहिंध्यानबीचप्रलय
समयसुरनशरण दासअपनजानी। असुरनाशसु
रनराखि पालयतुवतीनलोक सकलबिदितब्रह्म

आदिदेवनसबमानी। बिनयसुनोतुरतमातुबेला
क्षितिपालआइ मोहजगतछांड़िजपत सुनोअम्ब
दानी २७ ॥ रागदीपकचौताला ॥ श्रीजूभजोअधीर
चेतोतोजगतपावै।करुणासिन्धुअंधलक्ष्मीतूगावै।
बंदनाकेपंथमनहिं क्षितिपाललावै। सेवैतूअम्बा
चरणकालकोसतावै २८ ॥ दीपककीरागिनीरागकेदार
ध्रुपदचौताला ॥ कुंजनबिचबेनुलियेटेरतबनमाली।
गोपीहियरागयेबेधिव्याकुलहैहोशनाहिं तानकां
सकृष्णलालहमपरयहबाली।दुखीप्राणदेखिश्या
मप्रगटभयेबेगिआपनाचिउठीं सकलनारिदैदैकर
ताली। तीनिलोकपारकरतजानतक्षितिपालआपु
ध्यानमोहिंदेहुनाथकाशिरानिकाली २९ ॥ राग
कान्हरादरबारीतालधमारि ॥ श्यामतुमढीठभयेहौमान
हियेमेंतिलकदईब्रजराजो। सहितरामतोकोधरि
बांधोंनारिबेषकरिसाजों। फागजीतराधाकीजानो
शपथकान्हनहिंभाजों।माइचरणक्षितिपालकृष्ण
देअन्यदेवनहिंकाजों ३० ॥ रागदेशीतालधमारि ॥
श्यामधनिरीतितिहारी धूममचावैंसौंहबेनमलि
छोरों।तूअभगिनीदुलहिनिसोंकरिहौरामपकरिग
ंठजोरीं। युवतिभीरयशुमतिपैजैहैसहसकुंभतो

बोरों। मिथ्यानहिंक्षितिपालजानुहेमानलालसुनु
तोरों ३१ ॥ रागकामोदधमारिताल ॥ श्यामपहँप्यारि
चलीयुवतिएकङ्कै छलजानतबनवारी। मुरलिछीन
अबिर। मुखमेलेंबेषनारिकरिडारी। पकरिरामनूपुर
पगबांधेदेखिग्वालबलिहारी। ध्यानदेबिक्षितिपा
लकान्हदेदासकृपाकीपारी ३२॥ रागनटचौताला ॥
महाकालिकाशिरानिगौरीबाजगतजननिशूलधर
निमहारानिअम्बजूभवानी। ईश्वरीमहेश्वरीदुर्गा
परमेश्वरीत्रिपरातारा।शिवादेविशंभुरानी। कमला
सनिशवआसनिदुष्टदैत्यदलनाशिनि जयतितूमृ
ड़ानी। शरणशरणरटतमातुमेटोक्षितिपालप्यास
दरशचरणदेहुबेगिकैसीतूदानी ३३ ॥ श्रीरागचौताल ॥
जयजयजगदम्बदेवि हरिबिधिरबिप्रणतपादसु
रपतिमुनि गुरुगणेशहिमकरसुखदाई । भानु
कोटिशोभिमौलि विद्याअंकुशबिराजपाशमाल्य
धनुषधारि त्रिबिधिवेदगाई। अरुणबसनमन्दहँस
न तीनिनयनचन्द्रभाल सुनिये क्षितिपाल आश
चरणकमलपाई। महासिन्धुधारपार समरथनहिं
अन्यमातु पाहिपाहिकाशिरानि राखुशरणमाई
३४ ॥ अथश्रीरागकीरागनीरागबसंतचौताला ॥ ललित

लवंगलताबिकसितरी चहुंदिशिआयोऋतुपति अलिपिकगाई । मारुतमलयमन्दहिम सुरभि डोलै तरुणनारिसुखदाई। रमणीरसालसूनुकिश लयबिशालकुम्भ चन्द्रबदनिलैआई। रचैचारुराग तालयहक्षितिपालगावैरागबसन्तजताई ३५॥ राग मालवा चौताला ॥ जगतजननिजालिपा दुःखदलनि अभयदानि सुरपतिहरिसेव्यपाद शास्त्रवेदगाई। पापहरणिशोकहतनि अद्भुतबहुसुखकरनि कौन गनैतुच्छजीव गतिबिरञ्चिपाई। आदिआपु अन्त आपु कारणवहब्याप्यआपु यज्ञदानरूपआपु स कलतूदेखाई। चरणशरणआपुएक कीजैक्षितिपा ल पार कोटिनतरनिकटतरत रक्षरक्षमाई ३६॥ रागमालश्रीतालधमारि ॥ प्रिआजूचलिखेलैंहोरिको सुनिपुकार बनमाली। पकरिग्वालबलकोमुखमी जैंरंगश्यामपैघाली। जीतफागब्रजमेंयशहोवैहँसे नारिदैताली।धनिधमारिक्षितिपाललली जू दरश मोहिंदेकाली ३७॥ रागधनाश्रीचौताला ॥ प्रकटआपु पारवती हिमगिरिपरआई। देवपाद शीशनाइ शुम्भादिककोनाशकरो दुःखजगतदूरिहोय सुनु तू अबमाई। यज्ञजापहोमआदि रोकियहणकिया

दुष्ट सुनोगौरिकाशिरानि शरणकवनपाई । भक्ति एकमिलैबेगि बिनतीक्षितिपालमानि कृष्णाइन्द्र निकटआइ चरणशरणपाई ३८ ॥ रागआसावरी तालधमारि ॥ प्यारीसँगलालनखेलत हँसिहँसिफेंकतअबिरकीझोरी । गहिकिशोरमोहनझकझोर्यो मुखबिच मेल्योरोरी । सखिदुलारिब्रजपति कर छीन्योजीत्योराधाहोरी । चरणगौरिप्यासाक्षितिपालहिसुनुश्यामलयहमोरी ३९ ॥ अथमेघरागताल शूलफाक्ता ॥ मनलवचरणनकालीमूरे असुरहननसुरनशरनमैया । मालानरकपालशक्तिखड्गलै शूलहाथदनुजहनैया । रमापतिसुरनिपतिसहाईऔरध्यायब्रह्मजोजगतरचैया । क्षितिपालआशाकोतुरितहिंतूभरबारबारपादभजैया ४० ॥ रागमलार तालचौताला ॥ उमड़िघुमड़िमेघबरसि चमकिदमकिविद्युच्छटा बुन्दपरतमन्दगरजि अतिहीसुखदायीरी । चहुंदिशिझकोरपवनचलतयमुनाजीजोरशोर मधुरसुरनमोरटेरि दादुरपिकजताईरी । सुरत मिलनद्रुमनआजु रसबसजलथलसचेत युगुल रूपसकलहोत पावसछबिदेखाईरी । बिनयसुनो बेगिदेहुजलपति हे सुरनईश दरशमातुतुरतहि

क्षितिपालयहसुनाईरी ४१ ॥ रागदेशश्रृंगारतालधमारि ॥ लालालली शुभगबनिजोरी । सखीसखामिलिखेलतहोरी । एकएककरगहैंप्रीतिसों देखतहँसैंदोऊमुखमोरी । ललिताकहैमहरिसेबोलों भूलिजाइसगरीतुवचोरी । चूकपरीक्षितिपालदासकीमेटुमातुहमरीसबखोरी ४२ ॥ रागभूपालीधमारि ॥ साजिदोऊहोरीरचीहैकुंजगलीमेंकृष्णराधिकारानी । वैबँसुरीपटुकाधरिछीनोलालवोढ़नीयानी । भिरीभीरमानतनहिंकोऊजीतिएकयहठानी । सुनहुकान्हक्षितिपालबेगिदेचरणनभक्तिभवानी ४३ ॥ रागगुर्जरीचौताला ॥ जयतिजयति शम्भुरानि खड्गचर्मधनुषशूल मुण्डमालश्यामरूपबिनवोंतुवकाली । प्रलयसमयसुरनईश चरणकमलशरणदेत असुरनाशशम्भुशीशशोणितकरथाली । ब्रह्मविष्णुरबिगणेश स्वासबीचप्रकटहोत रचतभरतहरतआपुत्रिभुवनकीमाली । बिनयकरतपाणिजोरिसुनियेक्षितिपालआश जगततरतनिकटआय मैंतोतुपाली ४४ ॥ रागटंकयाचाताल ॥ भजुमनअम्बश्रीदानी । गावतवेदसुरमानी । यहक्षितिपालनिजजानी । देमहरानीशुभगबानी ४५ ॥ ध्रुपदछ्रागछतालं

कर॥ हतोचण्डकेअसुरखड्गलैसुरनवर्गबोलेपुका
रिजै चण्डमुण्डदानवसमूह अतिरक्तबीजकाट्यो
त्रिशूललै खलनिशुम्भखंड्योकराल असिदल्यो
शुम्भमुष्टिकप्रहारकै महिषआदिमार्योअनेक तुव
राखिदेवचरणनपवित्रहै तुवचरित्रबरणौंमुरारि
किमि शम्भुनाथपायोनपारपै दासजानिक्षिति
पालआशसुनु मेटुबेगियमराजघोरभै ४६ ॥ राग
भैरव चौताला मालकोशजल्द तिताला हिंडोल शूलफाक्तादीपक
झपतालाश्रीरागतालयाचा मेघब्रह्मताला ४७ ॥ दोहा ॥ शास्त्र
विहितमतजोमिले सोबर्णनकरिदीन्ह ॥ आदर
करिहैंबुधरसिक बुद्धिपायश्रमचीन्ह ४८ लोक
रीतिअबकहतहौं यथाकालब्रतमान ॥ सुनिआ
दरकरिहैंअधिक यहरसरसिकसुजान ४९ ॥
रागभैरवचौताला ॥ प्रकटभईमहारानि बिन्ध्यशिखर
माहीं । ब्रह्मरुद्रकृष्णआदिसेवतहैंगौरिआपुछो
ड़ितुमहिंजाउँकहांशरणऔरनाहीं । जन्ममरण
नाशहोत गावैंजेनामदेवि राखिलेतबिपतिबीच
चरणकमलछाहीं । सुनोमातुदरशदेहुबेलाक्षिति
पालआजु जगतसकलपारकरत पाहिपाहिपाहीं
५० ॥ रागभैरवशूलफाक्ता ॥ गौरिपुत्रगणपतिहेताता

देहुभक्तित्रिभुवनजोमाता। शोकनाशसुखकरन कहावतयातनामजपततुवताता। अरुणवेषबंदित वेदनसों माथबिभूतिशुभगयहगाता। अम्बदास क्षितिपालज्ञानदेसंकटमोचनबुद्धिबिधाता ५१॥ रागभैरवकत्तारखानीख्याल॥ बटुकनाथबेगिहिदीजैबर। दासदयालु पापनाशककर। काशीपुरीप्यासद र्शनममताम्रमुखीतुरतैंहरियेडर। रूपदेखिक्षिति पालस्वामितुव मानसपूरकरोकरुणासर ५२॥ रागभैरवख्यालकत्तारखानी॥ होरिमेंसखियाँडोलैंबति याँबोलैंरसभरीभागिमोएसन। बिनुश्यामनभावै एक्षितिपालहिआलीमेलनकीजै पापरोतेरोराखु जीसुनीएसन ५३॥ रागभैरवीध्रुपदचौताला॥ सखी चलुझूलैंश्यामहिंडोल सखासुभगदेखैंवहगो ल। राधासहितलालछबिशोभितफरकैंअधरना कबिचलोल। डफसितारनीकेसुरबोलतमनमो हनबाजतवहढोल। महामायक्षितिपालध्यानदे जियबिकानश्यामलबिनमोल ५४॥ रागभैरवी ख्याल तालतिलवाड़ा॥ दयासिन्धुबिनतीसुनुमाईयज्ञ दरशकाशीबिचपाई सिद्धिकरोक्षितिपालआसकी सकलत्यागि शरणागतआई ५५॥ राग गुणकरीशूल

फाक्ता ॥ मैयापगपाई प्रतापगाई तू दे ताई भवको पारयह क्षितिपालकोचरणनलाई ५६ ॥ रागगुणकरीशूलफाक्ता ॥ अम्बेमतिदेई तूचरणध्याई जोजो गाईतूयशनाम सुनुक्षितिपालजूबिनवतमाई ५७ रागगुणकरीख्यालतिलवाड़ाताल ॥ पेखांनसखी लालकी मोहीरीमिरमकसकसरसालकी नटवरजूक्षिति पालप्रकटभैभयोचन्द्रद्युतिभालकी ५८ ॥ ख्याल गुणकरी कैतारखानी ॥ करत्रिशूलगहुचणडकेदुष्टनशी शबिदारी ॥ अतिसंकटनाशनर्नहिंकोऊतुवक्षिति पालपुकारी ५९ ॥ रागविभासख्यालकत्तारखानी ॥ सुनो कुवँरबरबातहमारी जियकीदरदसयनकरिछुटा वाप्यारे यहक्षितिपालप्रियाप्रीतमसो कामबिब समनकी खबरगईबशमनप्यारे ६० ॥ रागविभास चौताला ॥ श्रवणपरतबिकलनारि गवनेकोचाला। जियतोअबपृथकहोम जीवनकयहिभांतिहोइ बि बसबामऊर्द्धश्वासहियबिचसरशाला। सदननि कटकुवँरफेरिदेखततनअधिकपीर नीरयन्त्ररचि तरचितप्यारेवैठतवहहाला। दीनबन्धुश्यामलाल दीजैक्षितिपालआश चरणकमलदरशबेगि अम्बे जू बाला ६१ ॥ रागललितध्रुपदतालचौताला ॥ गिरिवर

घरकेलिकरतबंशीबटमाहीं । शुभगरूपसकल नारि मोहितहैंदेवदेवदेखिपलटगहीश्याम दव रिदैकैगलबाहीं । श्रवतबुन्दकृष्णअंग पोंछत राधाकुमारिअधरमुरलिगानकरैकदमनकीछाहीं। दीनबंधुवेदकहै सुनियेक्षितिपाललालअंबध्यान जगतछांड़िमानसबिचचाहीं ६२ ॥ रागललितहोली तालधमारि ॥ आजयहहोरिमचीहैनन्दलालसोंश्री वृषभानकिशोरिसंग । लैगुलालपिचकारिनमा- रतहुलसतपरमउमंग । दैकरतालगोपगोपीसब बिहँसतहिलमिलसंग । जनुघनश्याममध्यदामि नद्युतिभूषणझलकतअंग । दवरिलालचूंदरीउता रतउघटतउरजउतंग । परमबिचित्ररूपदोउके सकुचतदेखिअनंग। हरषतदेखिसुमनझरिबरषत सुरपतिसहितमतंग । सुरसमाजनभमध्यबिरा- जतकहिक्षितिपालसुढंग ६३ ॥ ख्यालईमनतिलावल कतारखानी ॥ टेरतमोरबानकीभईकलिनपरतसुर- झाई ॥ सुधिपियभरतबिकलक्षितिपालबापिकर त्रिअधिकसुनाई ६४ प्रीतमबलिहारिहारिगईदो हनदेमोहिंगाई ॥ कुशलकहोक्षितिपालप्रियाकी हेजूकैसेपठाई ६५ ॥ रागअलैयाध्रुपदचौताला ॥ जन्म

मरगानाशचहो सुमिरोशठमाई । रचतभरत हरतदेवित्रिभुवनकारग दयालुशम्भुब्रह्मराम आदिमहिमानहिंपाई। सत्यरूपनिराकार परम ज्योतिशक्तिनामदेवनयुतप्रगातपादचारिवेदगाई। आहिआहिमहारानि कीजेक्षितिपालपारसकल त्यागिचरगभजत शरगकवनजाई ६६ ॥ राग अलैया होलीधमारि ॥ आजुचलुफागमचीहैं रामलक्ष गजूश्रीसीताकेधाम । सुरअपशाशब्दयहबोलै धनिरघुवरअरुसंगकीबाम । बिहँसिचलेसकले पुरबासीगावतफिरतररटतलैनाम। जातिआपुक्षि तिपालकहावतदेहुगौरि जपअवरनकाम ६७ राग अलैया ख्यालकत्तारखानी॥ हिंडोलाझूलतश्रीमहरा- नी। आदिब्रह्मश्रुतिदेवबखानी । करिव्रतजप क्षितिपालध्यानकरु कारगहैजगमातुभवानी। ६८॥ ख्यालअलैयातिलवारा ॥ हरेशठक्योंनभजैमह- रानी। अन्धमूढ़मदमानी। जाकीकृपाशिवहरिहु बिजोवैसोक्षितिपालनजानी ६९ ॥ रागदेवगिरा ख्यालतालतिलवाड़ा ॥ तजोजड़भूलआपनीचरगअम्ब पगलीजै। यहकुसंगक्षितिपालत्यागुतूध्यानदेवि कोकीजै ७०॥ रागमुकुलबेला बलधुपदचौताला ॥ तजि

दीन्होंमोहिंकंन्हाईरे। बनचातृकशोर मचाईरे। पिककीकूकहूंकउरसालत दादुरअधिकसुनाईरे। अतिसुकमारिप्रियावह लोटतिविरहाआनिजनाईरे। अतिब्याकुलक्षितिपालदेखिकैयहदुखश्याम सहाईरे ७१ ॥ रागगुर्जरीहोलीयमारि ॥ आजुवृषभानुसुतासँगफागरचोहै नंदनँदनगिरिधारी। उड़िगुलाल धूंधुरअँधियारी लपटिचलीपिचकारी। श्यामगहीचूनरिकिशोरिकी युवतिनभावतगारी। रंगभूमिक्षितिपालल ड़ेदोउचंद्रभानुदैतारी ७२ रागटोड़ीध्रुपद तालचौताला ॥अम्बचरणमूढ़भजोत्रिभुवनवहमाई। सकलदेवशरणआई। इन्द्रादिकौनहिंअन्तपाई तीनिदेवसहसानन चारिबेदगाई। असुरभीर भक्षिरूपसुरमुनितुवपाल्यरूपतीनिलोकरचितरूपअधमचेतुधाई। त्राहित्राहिशम्भुरानिसुनिये क्षितिपालआशअन्यदेवतोहिंजपैंशरणकवनजाई ७३ ॥ राग येमनपुरीख्याल यकताला ॥ ध्यावोरेनिशिवासरबालाकेपगनको यमकीत्रासमिटावो। हेक्षितिपालशरणदृढ़जावोजानोमृगीप्यासक्योंधावो ७४॥ रागवरारीताल तिलवाड़ा ॥ नहिंआयेनन्ददुलारारे। पावसमोरपुकारारे। भूप

णबसनननंदनिशिबासर उनबिनकछुनहिंप्यारा रे ७५ कबऐहैं प्राणअधारारे । सुनऊधोबचनह मारारे । अवधिबदीसुधिहूनहिंलीन्हीं जियतें सुरतिबिसारारे ७६ बनचातृकमोर पुकारारे । नहिंआयेश्यामपियारारे । दादुररटत रटनबिजु लीकीनभक्कायोबादरकारारे ७७॥ रागषटहोरीधमार॥ प्यारीचलुभूमहोरिकीश्यामराधिका अतिहुलास युतखेलैं । करअबीरपिचकारीदोउलीन्हें सखि समूहरँगढेलैं । ग्वालभीरगावतधमारिसबपकरि नारिउरमेलैं । आहिआहिबालापगदीजे यहक्षि तिपालतोचेलैं ७८ ॥ रागषट्ख्यालतालतिलवाग ॥ सु नोदेबिदरशचरणकीदीजै । अरुअनन्यमतिकीजै। अन्यदेवक्षितिपालआशनहिं बिनयग्रहणकरिली जै ७६ ॥ रागषटध्रुपदतालचपक ॥ ध्यानकरुनामजपु जननिजगदम्बको । राखुतवआशक्षितिपालश्री अम्बको । पतितपावनसुखकरनि वहदासको । सकलतजिजपोसुतुमातुहेरम्बको ८० ॥रागआसा- वरीताल तिलवाड़ा ॥ भजुक्षितिपालहेचरणभवानी । त्रिभुवनकारनिबेदपूजि वहभवभंजनिमहरानी । ८१ ॥ रागयोगियाख्यालतालवाड़ा ॥ देवी ३ जोकहैं

तोनिबेर परेपरेजोसोवहपावै । सुनुक्षितिपाल तूसकलदेवतजिअम्बध्यानमनलावै ८२ ॥ राग-बसतख्यालकत्तारखानी ॥ गावैरीबसंततानयुत काशिरानिदरबार केशरिपुष्परोरि क्षितिपालसैपूजितरोंभवपार ८३ ॥ रागपंचमध्रुपदतालवाड़ा ॥ बालाकोचरणभजोहे नाशैपापपुंजशोकहरेजोबिनवै । गौरीभवानीमाहैगिरिजामाई त्रिपुराजूकमलाकालीवै । बिद्याधर सुरनायकपवनअनलहू प्रणतपालगावतजोजनपरसुखपावै।क्षितिपालरटोदेवीशरणभरेनिजमहारानि दासशर्मसदनवहदेवै । ८४ ॥ ध्रुपदतलवाड़ा ॥ माईकोध्यानधरोहेकालत्रासनाशकरैजोगावै । देवीभवानीदुर्गाश्यामाअम्बावै त्राहित्राहि चरणमनलावै । पिनाकधररचनापति सकलदेवटेरैसबबरपावै । क्षितिभजोभ्रमतजिसेवै अंन्तबेरबालाको ध्यावै ८५ पंचमख्यालतिलवाड़ा ॥ धनिहेगिरजेतूतारीयहक्षितिपालउबारो । महापुंजपातकछैकीन्हो जयतिजयतियशदेबितिहारो ८६ ॥ रागमध्यमादिख्यालकत्तारखानी ॥ ध्यावैरेगिरिजाकोशरणतरणकोहरिबिरञ्चियशगाई । सकलआशक्षितिपालत्यागिदे भ

जोचित्तसुधिलाई ८७॥ रागअहेरीव्यानतालतिलवाड़ा॥
घनिजनवैजोध्यावैंमहरानी।भुवनतीनिबेदनकरि
मानी। अन्यदेवक्षितिपालआशतजु ध्यानकरोतु
भवानी८८॥ देशकारध्रुपदझपताला ॥बिश्वनाथतुमकहँ
अबटेरी।हरोमोहमदकरुमतदेरी। एकबेरजोना
मकहतशिवतुरतआपुकाटतयमबेरी । तंत्रबिपय
बिधिमोहिंबतावहुगौरिचरणकीबुद्धिदेमेरी।पार
करोक्षितिपालशम्भुसुनु दासदयालुशरणअबते
री ८९ ॥ होरीधमारि ॥ खेलतजुरिदोऊमिलिहोरी।
ललनसंगवृषभानुकिशोरी। सखीसखाघुसिभि
रतजोरसौंराधाकुंवरिहँसतमुखमोरी। चन्द्रकला
बलभद्रगह्योतब बिहँसिखड़ेयुगुलवहजोरी। भ
क्तिमातुक्षितिपालकृष्णकरु दीनबन्धुअबकरुम
तिदेरी ९० ॥ रागसिंधुहोरीतालधमारि ॥ आजुदोउखे
लतहोरी। कृष्णललीजूउड़तरंगअरुरोरी। एक
एकक्षितिपाललपटिहँसिअतिहुलासकरजोरी ।
९१ ॥ रागरामकलीतालतिलवारा ॥ दबिदयालुदासदा
रिदहरु केशवकृष्णकारणकरुनासरु । पापपुंज
पाखण्डपेषिदरुक्षमाछोड़क्षितिपालछांहकरु९२
देवकलीरागहोरीतालधमारि॥ अबनहिंजावोरीनंदगांव

कोछेकृतनंदकिशोरजू। रोरिमलतकेसरिरँगछिड़
कतदेखिमगनक्षितिपालजू ६३ ॥ रागभठियारख्याल
तालयकताला ॥ अम्बेसुनिद्रानीभूलिगई सकलजीव
तुवभार। बिमुखनहींक्षितिपालहिकीजैतरोसिन्धु
भवधार ६४ ॥ रागभखारख्यालतालवाड़ा ॥ प्यारेहरिलौ
न्हामोरजियरारे दिननहिंचैननींदनहिंआवैतल
फितलफिउठैमोरहियरारे ६५ ॥ रागखंभावतीख्याल
तालतिलवाड़ा ॥ दरशमहरानिजूदीजेतुवक्षितिपाल
अधार। भवदुर्गमकोपारअपारहैतोकायहभार ६६
रागककुभबेलावलध्रुपदतालचौताला ॥ आजुराधिकादुला
रिबाटगहीयमुनओरबिहरतलखिगोलबीचमधुर
बयनबोलै। रतिस्वरूपसकलनारिशोभाशशिम
लिनहोतकोटिकामवारिहोतनिरखिचलनिडोलै
लखतहँसतयुवतिओरकंदुककरकमललाल उभ्र
किझुकतचलतप्यारितिरछिपरतोलै। बिनवैक्षि
तिपालबालदीजै शुभचरणमातुशरणशरणरटत
तोहिंनयननलिनखोलै ६७ ॥ रागककुभबेलावलख्या
लतालझूमरा ॥ भजारेजगतमातुकरोजपयोगसुनुक्षि
तिपालपगशिरनाव। करिव्रतध्यानस्वच्छतनकी
जैदेविचरणयशगाव ६८ ॥ ख्यालतालझूमरा ॥ सुनो

6580.

जूमहाराणिचरणादरशदे बिनयकरतक्षितिपाल । बहुसमूहदासनतूतारेमेटुबेगिडरकाल ९९ ॥ख्याल ककुभभूमरा बिलावल ॥ ध्यानकरोजगदम्बकोत्रिबिधि दुःखमिटिजावैं । करोचेतक्षितिपालचरणलगिती निदेवनितिगावैं १०० ॥ रागबंगालख्यालतिलवाड़ा ॥ चरणमहारानीगावोरे भवसमुद्रतारेजावोरे । मो हतिमिरक्षितिपालत्यागितू शरणवहीमनलावोरे १०१॥ रागजाजबेलावलध्रुपदझपताला ॥ बसोमयनगि-रिजापुरत्राशछुटेडरेतोहियमराज । हेक्षितिपाल निकटधामहैं नष्टजगतकोकाज १०२॥ अलैयाबेलाबल ध्रुपदतालजल्दतिताला ॥ महाराजरामचन्द्रसनकादि कप्रणतपादसूर्य्यचन्द्र गीतसुयशदासनउपका री । पीतबसनमुकुटचारुमणिमयसर्वांगभूषचम रक्षत्रअतिबिचित्रअद्भुतछबिभारी । शंखचक्रगदा पद्मसुभगतूणपरशुबर्म्म खड्गचर्म्मअतिकराल बाणधनुषधारी। सूर्य्यबंशकहतलोगबूझितहैंसुना नाथबिनतीक्षितिपालबालभवसमुद्रतारी १०३ टेवगिरीबिलावलख्यालतालतिलवाड़ा ॥ भजनमहामायको चेतोरेयहभवपारअपार ।सुनुक्षितिपालध्यानकरु बेगिहिस्वांगजंगतकोउतार १०४ ॥ रागलाजवन्ता

तालचौताला ॥ रहसबीचप्यारी युतनाचतगिरिधारी। गोपीपतिश्यामबीचशोभाअङ्ग तस्वरूपलटकिलटकिगानकरत मोहतब्रजनारी। बर्षतहैंसुमनवृष्टिब्रह्मादिकदेवआइ धन्यधन्यशब्दहोतबिहसतबनवारी। चरणकमलशीशनायबिनतीक्षितिपालदास देहुदेविचरणशरणत्रिभुवनउपकारी १०५ ॥ रागलाचारीतालतिलवाड़ा ॥ मोहनजियमोरबशकीन्हीरे। सुनुआलीअबबेगिदेखावो जादूसीपढ़िदीन्हीरे १०६ ॥ रागबिलासखानीटोड़ीध्रुपदझपताला ॥ जबैश्रीकालिकागहैतूशूलको असुरदलडरतजनुकालधायो। महिषअरुचण्डमुण्डादिखल शुम्भजोक्षणकमेंनष्टनहिंबारलायो। सुरनकोशरणतू मुक्तिकीकरणितू दुष्टकीहरणियहवेदगायो। सुनोजगदम्बिकाभुवनत्रयअम्बिका अज्ञक्षितिपालतूशरणआयो १०७ ॥ रागभैरवबहारख्यालतालतिलवाड़ा ॥ भजोबिन्ध्यबासिनिमैया चेतकरोआदिब्रह्मक्षितिपाल। सकलरूपव्यापितजानोतू त्यागिबेगिभ्रमजाल १०८ रागपंचमबहारध्रुपदतालचौताला ॥ रक्षमातुचण्डिकादयालुतोहिंवेदकहैंइन्द्रबिष्णुचरणसेइ मुक्तिबिदित

हानी। शुम्भदैत्यअतिप्रचण्ड जीत्योज्योंसुरनभीर तूप्रतापनष्टभयो महादुष्टमानी। महिषासुर अतिकराल सुरपुरजोजीतिलियो तुहीअम्बहत्यो ताहि शूलहृदयहानी। त्राहित्राहिमहारानि कीजै क्षितिपालपार शरणलाजतोहिंदेवि दास अज्ञ जानी १०६ ॥ रागककुभवहारख्याल तालआड़ातितालो ॥ चरणश्रीजालिपाध्यावोरे करिसमाधितरिजावे। भूलत्यागिक्षितिपालहृदयते वृथास्वांगगनलावे ११०॥ अलैयाककुभरववोततालध्रुपद ॥ चन्द्रमुखीगृह गयोदुलारेरच्योछन्दछलनन्दपियारे। कुशल प्रियाकोमोहिंसुनावोचलेकहातुमआजुसकारे। कण्ठलगायलालमुखचूमै प्रीतिबाणतबधसेहमारे। वचनकान्हसांचीभलिनीकी चरणधरोक्षितिपालतिहारे१११॥ अलैयाककुभव्रह्मताध्रुपद ॥ आजु कान्हचलनसुन्यो ब्याकुलब्रजनारी। आहिबोलि फिरैंबामतनमेंकछुहोशनाहिं निकरुप्राणसुनोद ईहमपरदुखभारी। श्यामआयलायप्यार बच नकरआपु तुमहिंछोड़िजाउँना। हिंसबपरतूप्यारी। अम्बध्यानदेहुमोहिंबिनवैक्षितिपालताहिं मोहिंसिन्धुपारकरत गिरिवरनखधारी ११२

लहोरा भैरवी होरी ताल धमारि ॥ बजतडफबेण कुंजनमें
देखोरीअरुअबीरनभछाई। काशमीरपिचकनभरि
मारत मधुरसुरनमिलिगाई ११३ ॥ रागदेवगिरी
अलैया धुपद ताल आड़ा चौताला ॥ सुनुयशुमतिलालाकी
चोरी । दधिकोभांड़ लकुटसोंफोरी । सुनतमाइ
बाँधनकोधाई लवलासीमारनकोतोरी । झूठी
बचनलगावतमाई मोघरदूधदहीकीथोरी । महा
रानिक्षितिपालध्यानदेहेराधापतिसुनियेमोरी ।
११४ ॥ ख्याल तिलवाड़ा ॥ टेरीहरिबंशीकोतनमन
मोहिकलनपरतसुनसखिया । नागिनिकीबिष
सोंसबभीजै क्षितिपालबिकलहृदयदिनरतिया ।
११५॥ रागललितागौरी ताल तिलवाड़ा ख्याल ॥ मैयाबाला
जूचरणदरशदे वेदकहतउपकारी । बिनयबेगि
क्षितिपालमातुसुनु दासतरणकोपारी ११६
रागलानवनधुपद ताल चौताला ॥वक्रतुयडमहाकाय कोटि
सूर्य्यसमप्रकाश अरुणबरणचरणचारु बिघ्ननाश
कारी । लालजटितमौलिमाल शोभितशशिबाल
भालबुद्धिकरणदुःखहरण बिश्वतूउधारी । ऋद्धि
सिद्धिबेगिदेत भूलेहुजोनामलेत तेरेसमकवनदे
व तारतभवभारी । शरणशरणरटतनाथ बिनती

क्षितिपालबालभक्तिएक बेगिदेहुमातुजूतुम्हारी।
११७॥ मध्याह्नोत्तरकोरागरागिनी भेदरागदेशाख्यताललक्ष्मी
ध्रुपद॥ चरिडध्यानशठकरोमूलहित। बिषयफांस
मेंभ्रमतमूढ़नित। मित्रलोककोउसंगनजैहैअरेअंध
तूलावचरणचित। वेदकहतअम्बेजगतारनि बँधे
मोहमेंफिरहिंजितहितित । उमाचरणशरणहि
नितजावोत्यागिसकलभ्रमतीनिलोकबित ११८
रागदेशाख्यध्रुपदलक्ष्मीताल ॥ अम्बध्यानकरु त्यागुसक
ल मन। यहीकाजतूमिलेवमनुजतन । शंकरबि
ष्णु ब्रह्मकहिपूजत नामदेविकररटतदेवगन। अरे
मूढ़तूबेगिचेतकरु नष्टजगतकोमानुयहीछन। वेद
बाक्यक्षितिपालपुकारत शक्तिशरणायवहीधन्यज
न ११९॥ रागदेशाख्यख्यालतालक्कतागखानी॥ हेमनमंदस्वप्न
मेंभूले अम्बसेइदेवनगतिलेवै । रुद्रब्रह्मक्षितिपा
ल नामलैत्रिभुवनकोफलदेवै १२०॥ ध्रुपदझपताला ॥
जयतिजयजालिपा धन्यश्रीकालिका देवतूपा
लिकाअसुरहानी । जगतकीकरनितू सकलज
नभरनितू अन्तमेंहरतितू श्रुतिनमानी। आदिस
बैज्ञतू ज्ञानपथबिज्ञतू योगजपयज्ञतू वेदबानी।
त्रिनयक्षितिपाल मेटुभयकालकी दलनिअघजा

लकीबिदितदानी १२१ ॥ रागगांधारख्यालतालकताारवानी ॥ भवँराभलभावैं गूंजैंडारनडारन सुरराग। बागबीचकोइलमनमोहैं मधुरमधुरप्रियराग। मायचरणक्षितिपालबिनययहदिनदिनबढ़ैंअनुराग। १२२ ॥ रागतालयथा ५ ॥ पपिहरामतिकूंजैंबोलैं प्रियरेपियातनजारि। तूबियोगहियरामतलकैं तपैं कामदहतजिमारि १२३ ॥ रागलचामारूध्रुपदत्यत्रतालल ॥ बटुकनाथभूतनाथदण्डपाणिक्षेत्रपाल कालशमन खड्गपाणिदेवबिघ्नहारी। तीनिनेत्र चन्द्रभालकुण्डलयुग श्रवणभूप अंगदभुजसुभग चारुअङ्गतड़बिभारी। नरकपालदण्डहाथभूपण बिभूतिअंगयुक्त केशसर्पमाल दुरितनाशकारी। सुनोनाथअज्ञजानि बिनतीक्षितिपालबाल ध्यानएकमहारानि शरणरक्षधारी १२४ ॥ रागसुघराईख्यालकत्तरवा तिताल ॥ चितधारेपूजोतुमबालामहरानी। काममोक्षजीवनकोदानी। हेक्षितिपालतूभजुअनन्यहूंकौ शास्त्रवेदपरब्रह्मबखानी १२५ रागसुघराईख्यालकत्तारवानीतल ॥ कांधरटेरेमनकोबशिकीन्होंछयलवा। सखिरीलैपायनकोदरश पियरवा। तिरछीभौंहकीगांसीगड़ीहैं बोलप्यारी

चतुराईकैंसेब्रचे मनकीतपनिजुड़ाई भेंटत कुवँर
वा १२६ ॥ रागसुघराईख्यालकत्तरवानी ॥ सुनुमन
गावो यशकालीबरदानी । चरणसेइ गुरुमुनिभे
ज्ञानी । भजु क्षितिपालतूत्यागीमोहकोयह प्रती
तिश्रुतिशास्त्रबखानी १२७॥ रागहिंडालध्रुपदचौताला॥
जयतिजालिपाभवानि त्रिपुरागौरीबामा जगत
रानिमहाकालि अम्बजूबिशाला। मातंगीलक्ष्मी
श्रीदेवीदुर्ग्गाहिमवानपुत्रि देवजननिब्रह्मआदि
ज्वालमुखीबाला। दैत्यदलेवखलनहनेवसुरपति
कोशरणराखि ब्रह्मबिष्णुसूर्य्यआदि ध्यानतू त्रि
काला । चरणआशहै अलरूबसेवकक्षितिपाल
बालराखुलाजअज्ञजानिरटतनाममाला १२८
ख्यालहिंडोनतालतिलवाड़ा ॥ यमुनातटप्यारी गहि
गिरधारी। मगनदेखिमागे क्षितिपाल श्यामदेवि
चरणदेहुतुरत देवनउपकारी १२९ ॥ रागमधुम
धनध्रुपदतालचौताला ॥ महारानिमहाकालि गौरी
श्रीकाशिरानिशंभुरानिजगतरानि अम्बजूभवानी।
पार्बतीधूमावतीत्रिपुराज्वाला देबिबिन्धेश्वरीसि
द्धेश्वरिशारदामृड़ानी ईश्वरीमहेश्वरीदुर्ग्गातारा
जुमातुचण्डिकाप्रचण्डिकाशक्तिबाकबानी। हेकृ

पालुदरशदेहु बिनती क्षितिपालबालइन्द्र बिष्णु
ब्रह्मआदितुवप्रतापमानी १३० ॥ रागसारंगख्याल
कत्तारखानीताल ॥ यमुनातटप्रियाहनायरी । औचक
आयफासिमुरलीसोंगाइरी । चिकु हाथसरितात
नदेखेमनबिकासबसुरी सरिलीतांश्यामबरणासो
हितमुखब्रामाइरी । गिरिवरधरगोपालगोपपति
होकृपालक्षितिपालबालपे कमलचरणगोरीप्रा
साहैपाइँरी १३१ ॥ रागसारंगख्यालकत्तारखानीताल ॥
बन्शीबटश्यामलआयेरी सुनततानतारिहरपानी
धाइरी । रसिकश्यामउरमेंभरिलीन्हींअधरपान
दोउप्रीतिकरेरी जागिभागितूकुंवरिसिलोनीपा
इरी । त्रिभुवनपतिबिनतीसुनिलीजैयहप्रकारक्षि
तिपालबालकी मातुनामचरणआशाहैगाइरी ।
१३२ ॥ रागसामंतख्यालकत्तारखानीताल ॥ चलुसखीरी
देखाबोलालाबनमेंडोलै रितुआयोमटुतपनतू
सकलमधुपआनँदबरसावै । चातृकबोलैहैपव
नसुहावैप्रीतमपाइरिझावै १३३ ॥ रागसामंतख्याल
कत्तारखानीताल ॥ बलिहारिहारिहैसुनियेधरिमुख
बसियाटेरदेनन्ददुलारेयशुदाबारे । बिकलना
रिक्षितिपालश्यामतेमनकोताप जतावैदईफूंकिअ

घरामुरलीसोंसुधाबुंदपियधारे १३४ ॥ रागवृन्दावनीहारीधमार ॥ लालभलीकनितिहारीकरहिमरोरतरसबशकैसेकहावै । बचनरीतिप्यारीतुवबोलतधनिधनिनयनबनावै । रंगभीजिकामरिअतिनीकीफिरिलैरोरिउड़ावै । ज्ञानदेहुक्षितिपालश्यामजूध्यानमाइचितलावै १३५ ॥ रागवृन्दावनीख्यालकत्तारवानीताल ॥ अरेशठमैयाकोध्यावेगावेतरनाचाहोतोभ्रमतजोऔरतजोजगलोग । वाकीमहिमावेदबखानैक्षितिपालभजोकरियोग १३६ ख्यालवृन्दावनीतिलवाड़ा ॥ अरेशठजपोतुममाईकेचरणको । हरिहरब्रह्मध्यानवाहीकोगणपतिआदिरटैवाशरणको १३७ ॥ रागवृन्दावनीबड़ाताल ॥ कृष्णकन्हैयाकरताकंजनयनकंसारी । श्रीधरश्रीकरसरसानंदसरशारँगधरशरधारी । दीनानाथदयालदयानिधिदीनदीर्घदलिदारी । क्षितिनाथक्षितिधारककारकक्षितिनायकछलहारी ।(यहध्रुपदमेंओठनहींछुइजात)१३८ ॥ रागबड़हंसध्रुपदरूपकताल ॥ जगतिकीजननितूभक्तजनभरनितूयोगजपशरणतूधन्यमाई । शूलबरधरनितूदेवसुखकरनितूमोरतमतरनितूभूतिदाई । दैत्यदलदलनि

तूबिश्वखलचलनितूज्ञानकीथलनितूवेदगाई ।
अभयबरपरनितशोकदुखहरनितूबालक्षितिपाल
तूशरणलाई १३९ ॥ रागगौरमारंगख्यालतालतिलवाड़ा॥
भजियेरीअम्बेचरणनकोभवजगदुखतरननको ।
भूलत्यागुक्षितिपालचेतधरु आशकरुतुवशरणन
को १४० ॥ रागधनाश्रीख्यालकत्तारखानाताल ॥ देखनि
नन्दलालकीमोहीरी निशिनकटतसुनुसखिया।
लखिक्षितिपालप्यारिमोहितमन प्रकटभयोबन
माली उरकीतापमेटिगरलावे प्रीतिउदयरसब
तिया १४१ ॥ रागधनाश्रीहोरीधमारि ॥ सखिसमाज
नवलासँगमोहनहोलीचूमभई । लैअबीरझझको
रिदोऊमिलिराधहिछीनिलई । धाइनारियदुप
तिगहिलीन्हों श्यामछ्छोड़िदई । परतरंगअति
जोरमेवज्यों मथुराअरुणमई । फेंकतसुमनदेवऊ
परते धनितूफागुनई । कृपाकोरक्षितिपालतुर
तकरु चरणडीगानठई १४२ ॥ रागजयतश्रीख्यालता
लतिलवाड़ा ॥ चरणभजोबालाकोमनबचकर्मतेरि
द्धिसिद्धिसेतूभरोगे। करोध्यानक्षितिपालबेगिही
भवसमुद्रतूतरोगे१४३॥दिनतीपूरियाख्यालयकताला ॥
मनतूध्यावैरे बालाकेचरणको । छोड़भूलअब

अन्यशरणको। हेक्षितिपालत्यागुजड़ताकोजोतू
चहोरेभवकेतरणको १४४॥ रागमुल्तानोख्यालकत्तारखा
नाताल॥ कूकतबनमोरवासखीरीविनुकांधातनम
नअधिकदुखातमिलै कबधरिशरमारनलगेमयन
जियनबचतसुनुबतिया। करहुउपायसदनफिरि
देखेंप्यारेघनमनवारोयहक्षितिपालदरशमिलैदि
नरतिया १४५ रटनलागेपपीहाबिरवाकीछांह
येक्षितिपालनसुहातलालबिनभरिभरिअवनलगे
बैननिशिनबितत्तयहगतिया। सुनहुसयानिदुखि
तबोलनिलगि हरेहरेचूरभयोतनहियवाबिहबल
प्यारीभयमतिया १४६॥ रागमालतीश्रीतालतिलवा
ड़ा॥ गणपतिबिघ्नदूरिअबकीजै।दासबिनयतुरत
हिसुनिलीजै। तुवपूजाआशायहमेरीत्रिभुवनमा
तुचरणउरभीजै। अम्बभजनक्षितिपालतृषाहैसु
नियेनाथबेगियहदीजै १४७॥ रागमालश्रीख्यालताल
तिलवाड़ा॥ धरोरेध्यानबालाजगतरानिवाबेगिचेत
क्षितिपाल। यमकीत्रासमसहोनाजैहैताते सेवत्रिका
ल १४८॥ रागभीमपलासीहोरीधमारि॥ सुघरसखि
गावनलागीरीकहिलालनकोनाम। करडफब-
जतचपलगतिथिरकैभरिरंगपिचकारीबाम १४९

रागभीमपलासीख्यालतालझूमरा ॥ गावतमंगलआईरी ब्रजबनितालैथार । रतनजड़ितदीपावलिशोभित करिक्षितिपालजुहार १५० ॥ रागपूर्वीहोलीतालच-मार ॥ प्रीतियुतखेलरहेहैंनवलराधिकाब्रजदूलह तहँआये। चमकिनारिदामिनिसीआईअबिरश्याम गहिलाये। लखिधमारिछबिधन्यधन्यकहिकामदे वसकुचाये । देबिचरणक्षितिपालध्यानदेसुनयशु मतिकजाये १५१ ॥ रागपूर्वीधुपदतालवाड़ा ॥ श्यामफँ सेकुब्जोसँगहेरी।आवतनहिंगिरिधरगोकुलबिच भूलिगईसुधिवहसबतेरी । लाजहृदयनहिंउनकेँ लालनकंसरायकीहैवहचेरी । सतीचरणक्षितिपा लमिलैमोहिंबिनयसुनोराधेयहमेरी १५२ ॥ राग मालवाख्यालतालतिलवाड़ा ॥ चलनसुनीश्यामकोभरि भरिआयोकण्ठ,याक्षितिपालकलनपरैसखिरति या।मनसिजदहतइन्दुजारततनसुनुअबरैनिकट तनहिंसुधिकरिकसकतछतिया १५३ ॥ रागमाली गौरताल्तिलवाड़ा ॥ भजोक्योंनहींरेजगतरानिचरण कोफिरितनहिंअवसरपाय । शरणवहीक्षितिपाल मूलहैतेरोनिरंतरयशगाय १५४ ॥ रागगौरीधुपदता लचौताला ॥ जयतिशंभुचक्रपाणिशंकरगिरिरमण

शिवबिश्वनाथजगन्नाथहरिहरबनवारी । कृष्णा
चन्द्रचन्द्रशेखरगरुड़ध्वजवृषभध्वज गङ्गाधरल
क्ष्मीधरपशुपतिगिरिधारी । बामदेवकेशवदेवक
मलापतिगौरीपति सीतानाथकाशिनाथसकलदु
रितहारी । ईश्वरपरमेश्वरतूसुनियेक्षितिपालत्रि
नयजगतशनिचरणभक्तिदीजैउपकारी १५५ ॥
रागश्रीध्रुपदचौताला ॥ गौरीभवपार्बतीशंकरशिवाशंभु
नाथजगतमातुबामदेवअम्बशिवभवानी । काशि
रानिबिश्वनाथमाईश्रीनीलकण्ठमहामाइशूलपा-
णित्रिभुवनकीरानी । महाकालिमहाकालदुर्गावा
बैजनाथअष्टभुजामहादेवजालिपाबिज्ञानी ।पाहि
पाहिशरणबेगि कीजैक्षितिपालपारह्वैदयालुदे
हुभक्तिजयतिहरमृड़ानी १५६ ॥ रागचिवनध्रुपदचौ
ताला ॥ क्योंबिनतीसुनतीनहिंमाई । दासकहायक
वनढिगजाई । ब्रह्मरुद्रसेवैंपगतेरोहेभवानिकोटि
नगतिपाई । करिसतसंगशास्त्रअवलोक्योंअंत
बेरबालासुखदाई । क्यौंदयालुक्षितिपालटेरसुनु
मौनधारिकैसेबिसराई १५७ रागआसावरीध्रुपदताल
चौताला ॥ अम्बिकाप्रचण्डिकाभवानिदेविजालिपा
ईश्वरीमहेश्वरीबिन्ध्यशिखरबासिनी । सुनिपुका

रबंगिमातुबिनतीक्षितिपालबाल चरणादरशदेहु मोहिंमहिषदैत्यनाशिनी १५८ ॥ रागगौरीहोरीताल धमारि ॥धन्यब्रजभूमिसखीरी। धन्यराधिकामदन गोपालकीजोरी । जोकरतेप्रहलादउबार्योसोह रिआजुफेंकतरँगझोरी । सुरपतिकोजोशरणदेतहै सोइभाजतदेखतब्रजगोरी । रावणबालिहत्योक्षि तिपालजोसोगोपिनमुखमेलतरोरी १५९ ॥ राग काफीहोरीतालधमारि ॥ सजिदुलारिमोहनपैआई ।स खिनसाथलैलैबरसाई । उतलालनरँगकोपिचका भरिलपटियुवतिअन्हवाई । दोऊटोलिअतिमगन भिरेधसिरटतफागुसुखपाई । बिनयसुनोक्षिति पालराधिकेचरणभक्तिदेमाई १६० ॥ रागशाखधुप दचौताला ॥ आजुश्याममगनकियोयमुनातटखेल हेलसबनभीरसुरभियूथअद्भुतछबिछाई । मोरमु- कुटपीतबसनलकुटीकरबेणुचारुयहस्वरूपकामदे वशोभानहिंपाई । गगनबीचदेवनारिमोहितमन मदनबद्धपपबोलिश्वासभरेबारिजीवजाई । सुनो बंगिकृष्णचन्द्रबिनती क्षितिपालबालभक्तिदेहुज गतरानिचरणशरणआई १६१ ॥ रागभत्रपायधुपद ताला ॥ तजोरेभवफांसकोमिथ्यामोहहैसाथको

ऊनहिंजावै।कैंअनन्यक्षितिपालध्यानकरुअम्बसु
यशकोगावै १६२ ॥ रागमियाकीसारंगरागजंगलातानचा
ताला ॥ श्वेतबदनश्वेतकेशमस्तकबिचश्वेतचन्द्र
जटामध्यश्वेतगंगश्वेतभस्मश्वेतसर्प्प शंकरसु
खदाई । माल्यश्वेतसूत्रश्वेतधनुवांअरुपरशु
श्वेतचर्म्मश्वेतशृङ्गश्वेतअद्भुतछबिछाई । श्वेत
डमरुश्वेतसदन बाहनध्वजश्वेतबारु दीप्तिश्वेत
चारिवेदगाई। रक्षरक्षबिश्वनाथबिनतीक्षितिपाल
बालबिमलबुद्धिदेहुमोहिंध्यानचरणमाई १६३
रागपीलूहोरीधमारि ॥ आजुफागुखेलननँदनन्दनबर
सानेकोबेगिचलो । तियसमूहऊपररँगबरसतगा
वतगीतभलो । ललितादौरिश्यामगहिलीन्होंपू
छतलालचोलो । बलदाऊमोहननहिंदेख्योकटि
सँभारितेहिबीचहलो । छोड़तनहिंब्रजपतिकोब-
निताखैंचिचीरतबआपमलो । ध्यानअम्बक्षितिपा
लप्यासहैत्राहिकृष्णअबचरणघलो १६४ ॥राग
ध्रुपदचौताला ॥ अरुणबदनअरुणबसनअरुणमुकुट
दीप्तिअरुण गदाअरुणपरशुअरुणगणपतिपूज
ताता । नेत्रअरुणभालअरुणशोभितअतिशुण्डअ
रुणभूषणसबाँगअरुणबिम्बलफलबिधाता । अरु

णमालअरुणपीठअरुणसदनध्वजाअरुणछत्रचम
रअरुणचारुचरणअरुणदाता। दीपअरुणपात्र
अरुणबाहनरमणीयअरुण बिनवैक्षितिपालबाल
भक्तिएकदेहुनाथषणमुखयोभाता १६५॥ रागबरवा
ध्रुपदतालचौताल॥ बायुपुत्रघरियेकृपाणकरश्रीतमा
गउन्नतदीजैबर। तुवसमुद्रपलमैंकूद्योजूलंकना
शकीन्होंकरुणासर। पुरअधिपतिरघुपतितुवकी
न्योंपवनयूथहरियेबेगिहिडर। राखुलाजरविच
न्द्रबंशकीदेहुचित्तक्षितिपालगिनयपर १६६॥
रागबिहारीध्रुपदतालचौताल॥ जयतिशीतलाभवानिज
गतजननिशोकहरनिअर्थधर्मकाममोक्षवेदबिदित
दानी। ब्रह्मबिष्णुरुद्रइन्द्रसहसाननसकलदेवलो
कपालदण्डपाणिध्यानतूभवानी। अधमजीवनष्ट
जीवपापीअरुबधिरगुंग ज्ञानीमूरखतूबासश्रीका
शिरानी। शरणशरणरटतनोहिंसुनियेक्षितिपाल
बिनयचरणध्यानदेहुदेविदासअपनजानी १६७॥
रागगोधर्नगौरीहोरीतालधमारि ॥लखिधमारिप्यारीप्या
रीयुतमोहितसकलभयो। बरषतरंगनारिगोकुल
कीमानहुंमघनयो। तियभुलाइपहुंचीततकालहि
रामहिंघेरिलयो। करिश्रृंगारहलधरकोबनिता

शोभाअधिकठयो । देखिललछोरनकोघायोबीच
हिपकरगयो । कृष्णाकृष्णाक्षितिपालबिनयपरद
राडीध्यानदयो १६८ ॥ रागदीपकध्रुपदचौताला ॥ जपो
मंगलादयालकोवापारलगावै । याचनाकीकल्प
वृक्षमूढ़तूमनावै । तारणीकोरूपवहसुखधामपावै ।
सेवकक्षितिपालतूअन्यनाकहावै १६९ ॥ जूहीराग
ध्रुपदशूलफाक्ता ॥ बिनवतहैंअम्बचरणतूदयालुभवा
निदेवीमाईध्यावैतूकोजोतमबेगिनाशै । सुरगावत
कीरतिशुभकरणीत्रितापहरणीवरणीश्रुतिजनदु
खननाशै । बोधअबोधमातुत्रिलोकभरणीपावैजन
भक्तिसंकटनाशै । क्षितिबालकदीजैबानीतूशुभद
लीविचारुभयनाशै १७० ॥ रागसंध्योत्तरसअद्धु राचत
ककरागमेघध्रुपदशूलफाक्ता ॥ निजमोहडूबतसंसारूरेउ
बरततवजनसुमिरतबाला। कायात्रिविधदुखनाश
होतजातीरहैंउपाधिविशाला। जिन्हैंबिनयकरत
लोकसारेयेसीमाईभुवनकृपाला। क्षितिपालवाके
ध्यानमगनकारनमानलोकतीनिनिहाला १७१॥
मेघरागख्यालकत्तारखानी ॥ बालाकोबेगिमनावोरे। यम
भयअधमभिटावोरे। भजुक्षितिपालनाममैयाको
भवनिधितरोचरणनैयासोंमित्रमूढ़जगकोतुमत्या

गोशरणवहीमनलावोरे १७२ ॥ रागबहारहोलीताल धमारि ॥ साजिहोरीखेलरचीहैकुंजभवनमेंसंगदुलारिबनमाली। लैगुलालदोऊमिलिफेंकतकेशरिरँगशिरघाली। कामदेवजियअतिसकुचतहैनारिदेतकरताली। तुरतदेहुक्षितिपालश्यामजूध्यानदरशममकाली १७३ ॥ बहारख्यालकत्तारखानी ॥ बगियनबिचबिहरतहरिसखिया नयनलजाने आलीरतिवारीतहूंमान बातमोहनकीचूकनाहिंबेगिचलोलतनफिरतश्याम आइकबिनिरखतमोहीवाप्यारीयुवतीलैआई पासकान्हकोबिलोकैदोऊमेलोबाँहलावैगरझूमिझूमि १७४ कुहुकतचहुंडरियनसुनुपपिहासकलफुलानेप्यारी बलिजाउसजो बेषभेदुबेगिश्यामलकीबातराखुमानतजोचरणधरतमोहनाहिंहरिपरखतबीतीहैरात करुणानआइनारिबातकोभूलावैढारे मोकोवहगावैतुवघूमिघूमि १७५ ॥ रागमेघमलारध्रुपदतालचौताल ॥ महाराजकृष्णचन्द्रचक्रपाणिजगतईश श्रीनिवासवासुदेव विष्णुश्रीबिहारी। गिरिवरधरलक्ष्मीवरवामननरसिंहराम परशुराम जगन्नाथहरिजूदनुजारी। धरणीधरमुरलीधरकेशवगोपा

लशौरिमधुरिपुअरुपद्मनाभमाधवबनवारी। त्रा
हित्राहिसुनोबेगिबिनतीक्षितिपालबाल भक्तिदे
हुमहारानिजयतितूमुरारी १७६ ॥ रागगौरामला
राहोरीधमारि ॥ भागिब्रजसखिनजानिये खेलतहो
रीहरिपगनलागिरे। देहुदासक्षितिपालमुरलि
धर नामदेविकोविनयत्यागिरे १७७ ॥ ख्यालतिल
वाड़ा ॥ पावसआयोमोहनगैलवा तलफोंदादुरदुख
दाईलानीजुरिया। नभबिचबदराधावैरे क्षिति
पालललखिसूनिसेजरिया १७८ ॥ रागनटमलारीख्याल
कत्तारखानी ॥ सुनुमाईबदराबदराउमड़िआये मन
सिजअधिकदहनलागे। चमकतबिजुरीलरझत
हियमम दादुरशोरकरनलागे १७९ ॥ रागख्याल
कत्तारखानी ॥ पियबिनमोरवामोरवाबोलनलागे
नभबिचमेहपरनलागे। चहुंदिशिचमकैजियअति
उमँगैउमँगैनदियनजोरबहनलागे १८० ॥ राग
मियाकीमलारध्रुपदचौताला ॥ श्रीबालेपूरणतूकीनी। यह
अज्ञानतिमिरहरिलीनी। जोकाशीदेवनकोदुर्लभ
ताबिचआयदासबरदीनी। मानुषकीगणनाका
कीजै अतिचिन्तायमराजहिभीनी। दियोदरश
क्षितिपालबालको पापपुंजशीघ्रहिभैक्षीनी१८१

रागख्यालधीमातिताला ॥ आजुबशकीनोराधाछयलछ बीलको विह्वलफिरततरटतमुखपीलको । डोलनि हँसनिदशनदमकनिद्युति फँसेकुंवरलटकनिबिच नीलको १८२ ॥ रागशुद्धमलारख्यालतिलवाड़ा ॥ उम ड़िआयेमेघचहुंदिशि अरुपुकारबनमोर । छबिल खिपावसमुदितक्षितिपालजू धुनिपुकारघनघोर १८३ ॥ देशीमलारध्रुपदचौताला ॥ लालनकेअंगसों अनंगघटाघूमिआयो दन्तकीछटानिसोईबिज्जुच मकायोहै । कुण्डलज्योंमोरराजैबोलमृदुमेघगा जै अलकैधुरवानबेणुतानझरिलायोहै । मोतिन कोमालबकुजालरह्योघेरिघन इंद्रबधूलालीकरि अधरहूलजायोहै । क्षितिपालशोभाबरसातब्रजबा रिहेत आजुनभआघनश्यामबनिआयोहै १८४ ॥ रागदासीमलारहोलीतालधमारि ॥ आजब्रजयुवतिजुरीहैं भानुसुतापै उतकिशोरसजिआये । लपटिझपटि यकएककोमेलत लैगुलालअन्हवाये । पकरिश्या मवृषभानुसुताको हृदयबीचप्रियलाये । श्रीबा लाक्षितिपालभक्तिदे चरणशीशप्रभुनाये १८५॥ रागसूरमलारख्यालतालतिलवाड़ा ॥ अरेशठभूलिगयोमह रानीकोभजनकरो । समुझिबूझिक्षितिपालहोश

नहिंभवसमुद्रक्योंतरो १८६ ॥ रागटंकध्रुपदतालते
वाड़ा॥जड़जपुनामश्रीमाई। ध्यावतबेगितरिजाई।
भजुक्षितिपालमनलाई । सुनुत्रिपुरारि गतिपाई
१८७॥ रागसूहाख्यालतालतिलवाड़ा ॥ हेमतिमंदअम्ब
नहिंध्यावै।द्वैतमार्गढेवनकोगावै।ज्योंबौनाक्षिति
पालचहतहै फलखजूरिक्योंपावै १८८ सुनुजड़
चूकतजैनहिं मनतेक्षितिमेंत्र्प्राइवृथातूसोवै। कौ अ
न्यक्षितिपालध्यानकरु महामायचरणनकोजो
वै १८६ रागसूहीध्रुपदतालरूपक ॥ लालबरनलालबस
न टीकामुखभाललाल दशनओष्ठलालसुभग ला
लचरणबाला। लालश्रवणजटितभूषवेनीशिरमाँ
गलाल लाललालनयनतीनि कण्ठलालमाला।
कमललालसदनलाल चामरवाछत्रलाल ध्वजा
लालव्यजनलाल सिंहलालशाला। पीठलाल
रागलाल दीपनकीपंक्तिलाल ध्यावैक्षितिपाल
बालसूहिरागताला १६० ॥ रागसूहीख्यालकनारवानी॥
सुनुगंगामैयाबिनतीकोभानुवंशतुवतारी। बिदि
नवहीक्षितिपालकहावैक्योंतूदयाबिसारी १६१
रागषट्मंजरीध्रुपदतालझपताला ॥ भवानीभवानीभवानी
जपोरे हैसर्वव्यापकवाहीभवानी। ध्यावैजोगावै

सोपावैपरमपदहेक्षितिपालतूसेवेभवानी १६२ रागशुद्धकल्याणहोरीधमारि ॥ सुनुसुनुहरिपुकारतो युवतीखेलनआवत तुवसंगकीफागरे। देहुश्याम क्षितिपालयहमांगत दरशमातुकोपरमभागरे। लखुलखुधमारिब्रजपतिकीसखिरी बजतमुरलि डफमधुरतानरे। सजतनारिक्षितिपालटोलमिलि उड़तरंगजनरटतरागरे १६३ ॥ रागशुद्धकल्याणधुपदचौताला ॥ मुण्डमालरत्नमाल चन्दनशिरभस्मभाल कुण्डलशशिसूर्य्यसर्प देवनयुतपूजिपादअति बिचित्रज्ञानरूप शंकरमहरानी। करत्रिशूलशूल पाश डमरूबीनाबिराज अरुणबसनमृगाचर्म्म नीलकण्ठचन्द्रबदनचारिवेदमानी। पापभंजिशो कगंजितारकजगसुरदयालकोटिनअघदासहरत ऐसीवहदानी। रक्षरक्षबिनयसुनोनाशोयमत्रास मातुभजततोहिंपाणिजोरिबालकक्षितिपालदास जयतिशिवभवानी १६४ ॥ धुपद ॥ हेचण्डीदुख खण्डीत्रिपुरभैरवीमाईदयालमृड़ानीकृपाकरुश्री भवानी। जयजयशंकरमुरारितुवध्यावैब्रह्मानी शिवासर्बानीदयानिधिसुनुदानी १६५ ॥ रागइमन होरीतालधमारि ॥ सुन्दरश्यामलाड़िलीगोरी। आ

जुमचीवृन्दाबनहोरी। दौरिलालशोरीमुखमेलत राधारंगश्यामतनबोरी। नभऊपरसुरबधूपुकारैं धनिमोहनधनिनवलकिशोरी। बिनयकरतक्षिति पालजोरिकररारवुशिवाचरणनमतिमोरी १९६ रागईमनख्यालतालतिलवाड़ा॥ रटोरेशठदेवितरोभवपा रमतिक्षितिपालचरणबिसार। सुरपतिभजैगण पतिरटैचतुराननकोअधार १९७॥ख्यालकत्तारखानी॥ गावोमैयागुणयशुकोरेबामजगतकोत्यागिदेरेतुर तमहापदपावो। सुनुक्षितिपालध्यानकरुअम्बा भूलसकलतछांड़िदे दिव्यदेहह्वैहंसोकालकोअं तचरणमिलिजावो १९८॥ रागख्यालकत्तारखानी॥ जगतकरुदाया। अभयकरोपगछाया। हैआशा क्षितिपालतिहारी। करियकृपामहमाया १९९ रागईमनकल्याणख्यालकत्तारखानी॥ अम्बेचरणनमनला वोतूरेमोहडगरियाछाड़िदेरेमतिहीनी भटकिभ टकिफिरिफिरिवहीतूबानी। जड़तातजौदेविपद मनलागै गावतपावतभवधारपारसुनुक्षितिपाल भजोतुवअा जोवतठगोजातहैबुधिहानी २०० रागख्यालतालतिलवाड़ा॥ गावोरेयशमाईकेचरणको भक्तिमुक्तिफलपावै। करुसमाधिक्षितिपालरूप

कोतुरतशरणकोजावै २०१ ॥ रागख्यालख्यालतालति
तवाड़ा ॥ आवनसुनिश्यामकीनिकसितबदनकरि
श्रृंगारचलींबाला । चहुंदिशिलखैपांतिफूलनकी
प्यारिदरशनंदलाला २०२ रागजैतध्रुपदतालरूपक॥
जयराानिमहारानि काशिरानिगौरीगिरिजाभवा
नी।कालीदेवीशिवादुर्गाबागेश्वरीरुद्रानी।भद्रा
नी सिद्धेश्वरीसंकटादानी। चण्डीकमलामहेश्वरी
सीतालक्ष्मीसतीपार्व्वती बिन्ध्येश्वरीवेदनबिच
मानी । करशिरधरशिहरशिआपुबिनवोंकेहिदेव
मातुअनुचरक्षितिपालजयतुजयतुशंभुरानी२०३
रागहमीरहोरीधमारि ॥ लखुलखुधमारिगिरिधरकी
दुलहीनहककरततुवहठसोंमानरे । करोक्षमाक्षि
तिपालकोलजू बेगिदेहुबालाकोध्यानरे २०४
रागख्यालहमीरतालभूमरा ॥ पुकारोरेबेगिअम्बासुधि
धारोतरनकोवहजननीतुवकोहरा।भजुक्षितिपाल
सकलभ्रमकूटतनहिंमिलिहैतनकोनोहरा २०५
रागकामोदध्रुपदतालचौताला ॥ मनभावनआयेनहिंरति
या । खोजहुबेगिसुनैवहबतिया । मधुरकहिरोक
लईहैकोउबनिताकीहैयहघतिया । रीतियहांकी
भलमैंजानतभूलिगईतबयहभैगतिया। कान्हबि

नयक्षितिपालसुनो तुमशक्तिध्यानकीकरुअबमति
या २०६॥ रागभूपालीहोरीधमारि ॥ आजब्रजचन्द्र
लाड़िलीकागुमचीहैकाश्मीररँगबोरी। इततेसखा
रामधसिआयोउतसखियांचढ़िदौरी। ब्रजसुख
होरिदेखिजियलज्जितरतिमनसिजमुखमोरी। च
रणगौरिक्षितिपाल श्यामदेक्षमियदेविसबखोरी
२०७॥ रागभूपालोझूमरा॥ भजोरेमातुबालापातकको
भवतरनकीपारी। सुनुक्षितिपाल हेचेतकरुऐनि
शिदिनतूमोहनकोबिसारी २०८॥ रागकेदारायकताला
लाख्याल॥ जपोशठगंगापापदलनि जलश्रीमहेश
शिरधारी। अघसमूहक्षितिपालहैकोटिअधमवह
तारी२०६॥ रागकेदारहोरीधमारि॥ प्यारीकरिशृँगा
रघोड़शतूश्यामिलनकोसखिधमारमिलिखेलै।
उड़ैरोरधूँधुरअलिदेखोश्यामलधूरिरँगठेलै। भ्रम
रभीरलतिकालपटानेत्रिबिधिबायुसुखहेलै। भज
नदेविक्षितिपाललालदेचरणशीशतुवमेलै २१०
रागछायाहोरीधमारि॥ देखुहोरीधूममचीहै धनिवृंदा
बनश्यामलाड़िलीप्यारी। डफमृदंगमुरलीकर
बाजत पूरिदिशामुखगारी। ललितभूमिलतिका
ललितादिक लालनउरबिचधारी। मुदितदेखि

क्षितिपालफागुयह देविचरणतटडारी २११
रागख्यालतालतिलवाड़ा ॥ सुनुमैयाक्षितिपालबिनयको
चरणध्यानउरआवै । सकलदेवमहिमाकोगावै ।
मनबांछितफलपावै २१२ ॥ रागमायकी[illegible] ॥
सुनोदेविजालिपा शोकहरणातुमहक्षितिपालको
उबारी । कमलचरणकेवलहैआशा छिदितमातु
उपकारी २१३॥ दरवारीकान्हराख्यालकमारखान॥ खेलि
येरीहरिसंगखेलिये कमलनयनकोपेखिये । बाल
चन्द्रमुखदशनबिज्जुद्युतिप्रगक्षितिपाललदेखिये
२१४ ॥ रागगोचरनतालरूपक ॥ महाकालिकेबेगिदेहु
बर । जन्मत्रासहरियेकरुणासर । तुहींआदित्रिभु
वनकारणतुमगहिकृपाणमेटोअम्बेडर । चरणआ
शअरुअन्यआशनहिंहेकृपालगहियेपिनाककर ।
लाजराखुक्षितिपालबालकी सर्वव्यापिसर्वज्ञस
र्वपर २१५ ॥ रागबागेश्वरीहोरीधमारि ॥ श्यामाजू
फागुरचीहैभानुसुतापै इतमुरारिसजिआये ।
करअबीरदोऊमुखमेलत लपटिमगनगरलाये ।
बाजतभेरिकरतारढोलसँग नचतनारिसुरगाये ।
चरणगौरिक्षितिपालकृष्णदेपगननाथशिरनाये ।
२१६ ॥ रागबागेश्वरीख्यालधीमातिताला ॥ भोरभोरउठ

नुअगोपानजोवैऔरजोवैगायनबछरारे।मानबात दोहनकरलायेघरेगुठबनकछरारे २१७ ॥ रागअड़ानातिलवाड़ा ॥ भजोमाईशीतलादेवी तीनिभुवन कीरानी । पगनलागुक्षितिपालध्यानकरुमनबांछितकीदानी २१८ आजुब्रजमंगलगावहिंनंदनँदनअवतार । महरमहरिक्षितिपालमगनअति गोपनचतमिलिद्वार२१९॥ अड़ानाहोरीधमारि ॥कान्ह तुमनाहकरारिकरतहौ भोरआइकेलाजहियेकछु धारो । टेरिनारिमोहनमिलिघेरोअरुगारंगशिर डारो । मुकुटबेणुमुरलीक्षितिलीन्हौंऔरकामरो कारो । चरणकमलमांगेहेलालानहिंक्षितिपाल हिटारो २२० ॥ रागसहनाख्यालकत्तारखानी ॥बालादेवीकालिकाज्वालाकाशिरानी । हेदयालुक्षितिपालचरणदेअरुप्रतीतिश्रुतिबानी२२१ ॥रागसाहानाख्यालकत्तारखानी॥ देवीचण्डिकामाईबिन्ध्यबाशिनी। सुनुभवानिक्षितिपालदरशदेबेदबिदितभवनाशिनी २२२॥रागमुद्रिकाध्रुपदतालधमारि॥ ध्यावोकाशिरानीबिदितदानी । भुक्तिमुक्तिदेवेश्रुतिमानी ।मोहनाशबेगिजानिक्षितिपालजगहैअनित्य त्याग्योमुनिवाज्ञानी २२३॥ रागहुसेनीध्रुपदतालचौताला॥ धन्य

जह्नुजादयालशंकरशिरथिरबिलास पापदलनि मोक्षकर निज्ञानकीप्रकासी। काकगृद्धश्वानआदि त्यागतननस्वच्छहोत सुरपुरसँगदेवनारि सुपद युतबिलासी। मुक्तिदानतीरबटत चाहैखलअधम होइपरमधामबासहोतनिरखिकालत्रासी। सूर्य्य बंशतरनहेत आईतूधरणिबीच सुनियेक्षितिपाल आश होउबिन्ध्यबासी २२४॥ रागगौरीध्रुपदतालचौताला॥ धन्यचरणधरणिबीच सुरद्विजनरपारन्य हेतु असुरपापध्वंसरूप जयतिश्रीभवानी। कृपा सिन्धुजगतमातु बिनवैक्षितिपालबाल बेदमार्ग बुद्धिदेहु रक्षहेमृड़ानी २२५॥ रागराधाकान्हराहोरी धमारि॥ आजुमचिरहीधमारिरी नँदनन्दनब्रज रानी। फेंकतरँगडफमुरलिबजावत गावतसबशु भवानी २२६॥ रागझंझोटीध्रुपदतालचौताला॥श्याम बदनश्याममाल बेणीशिरबेंदिश्याम अंजनअरु भृकुटिश्याम श्यामबसनश्यामा। खड्गश्यामचाप श्याम नरशिरकरपात्रश्याम भूषणकरकांचिश्या म सुभगचरणश्यामा। बाहनसबसंगश्यामकेतु श्याम दीप्तिश्याम मुण्डमालमुकुटश्याम अमित दासिश्यामा। बाम्मदेवश्यामआदि श्याममनुजप

तिनित्य बिनवैंक्षितिपालबाल हरहुकलुषश्यामा
२२७॥ रागहेमख्यालतालझूमरा ॥ आवारेजगन्ततूतु
रतमिटतडरकाल। अन्यशरणधोख्योनहिंजावो
भूलनहींक्षितिपाल २२८॥ रागखेमटाहोरीधमारि ॥
गावतगौरीहोरीब्रजचंदद्वारपैरंगअबीरचहुंछाई।
कहुंडफबजतभेरिमुचँगधुनि घरुमृदंगसुखदाई।
मगनहोतदेखतधमारियह हरिराधागरलाई।
हेकृपालक्षितिपालदेहुबर बिकटसिन्धुतरिजाई
२२९ ॥ रागफूलबरणकान्हरा ॥ अबबेबिनतीसुनिये
चरणध्यानदेजपतहोहिंक्षितिपाल। मनबांछित
सकलेजगपावतबेगिहनैकठिनभ्रमजाल २३०॥
रागसूहाबहारख्यालतालतिलवाड़ा ॥ हेमनध्यानकरो श्री
बाला। ब्रह्मआदिसेवतहैत्रिकाला। सुनुक्षि
तिपालपूजनिशिबासर चरणकमलसुबिशाला।
२३१ ॥ रागतिलककामोदख्यालतिलवाड़ा ॥ अरिटेरी
बनबीचसँबलियारे। उठिधाईप्यारीअतिब्याकु
लफिरिफिरिटेरुबँसुरियारे २३२ ॥ रागछायानट
ख्यालतालझूमरा ॥ श्यामाजूतेरेधनिधनिचरणहैंअध
मसमूहलखिनसै। पेखुमातुक्षितिपालबिनयको
माथपगनपैलसै २३३॥ रागबिजयकल्याणतिलवाड़ा ॥

भजनमहामायकोकीजै । सकलमोहतजिदीजै । सुनुक्षितिपालतूभ्रमतफिरतक्यों शरणचरणको लीजै २३४ ॥ रागगौणध्रुपदचौताला ॥ धन्यधन्यमहाराजअंजनीसुतहनुमन्तराखिलेव सूर्य्यबंशकीर्तिजगतछाई । अतिसमूहजवनयूथ उमड्योजनुराहुरूप तुवप्रतापनाशभयो गृद्धश्वानखाई । मगनहोतध्यानकरतअतिसुखश्रीरामधाम दुन्दुभिगृहसकलबजतधमीदानपाई । चरणशरणहैंअलम्ब सुनियेक्षितिपालबाल आशदरशबेगिमिलैंनाथबिन्ध्याचलमाई २३५ ॥ रातिक्रीपूरियाध्रुपदतालवाड़ा ॥ श्रीताराकोजियतेगावो । मनबचकर्मध्यानपगलावो आदिब्रह्मत्रिभुवनकारणवहत्यागिअब्रबेगिमनावो । छलतजिरटोनामनिशिबासरतुरतमहाअनन्यगतिपावो । तजिममताक्षितिपालचेतकरुचरणकमलशरणनकोजावो२३६ ॥ ख्यालएकताला॥ जपोरेमनगंगाजगक्षणभंग। भ्रमितक्योंक्षितिपालनाहक त्यागुअधमप्रसंग२३७॥ ईमनकैमाफ़ध्रुपदरुद्रताला ॥ भजुगिरिजापतिकोतरोतरोतरो। ध्यानसदाजीतिकरोकरोकरो । श्रीबालाजीकोसुनोजपोभजो। हेक्षितिपालभ्रमैतजोतजो

तजो २३८ ॥ रागपहाड़ीझझोटीख्यालयोमातिताला ॥ म
नतूभूलारेजपबिनाजगतछ्ना। अम्बभजोक्षिति
पालहैजगसबसपना २३६ मैयातूदयालुदया
अबकीजै। चरणदरशअबदीजै। सुरसमूहसुमि
रतअबवाकोयहक्षितिपालरटैतेरीजै२४०॥ अड्डा
राचोत्तरप्रात:कालपर्यन्तरागदेशख्यालतालतिलवाड़ा ॥ अरेम
नभूलतजोहियते। सुपथधरोजियतेकरोध्यानक्षि
तिपालबिनययुत राखुआशसियते २४१॥ रागन
टध्रुपदतालरूपक॥ हरितबरनहरितबसनहरितमणि
नजटितभूल भालहरितबाहुहरितहरितचरणदु
र्गा। हरितबिन्दुमाथबीचअंगरागहरितलेपचाप
चक्रहरितरंगमोक्षरूपदुर्गा। चमरहरितछत्रहरि
तहरितब्यजन ध्वजाहरितहरितहरितद्वारपीठ
हरितबिम्रहरितदुर्गा । इन्द्रबिष्णुब्रह्मआदि
ध्यावतहैंपगनलागि सुनियेक्षितिपालआशराखु
शरणदुर्गा २४२॥ रागशुद्धनाटतालरूपकध्रुपद॥ जपै
कालिकैगहैशूलको। असुरप्राणदेखतबिहीनह्वै
अतिप्रचण्डजोत्रशैहूलको। पापपुंजज्योंडरैधर्म
कोखलसमूहत्योंभ्रमितनामते। गहोपायक्षिति
पालबेगितुमबचोमोहपथजगतबामते २४३॥

रागदेवनाटब्रह्मताला ॥ भूलतजोक्षितिपालभजोचर
णभवानी । जाकोकृपासुरेशहुचाहैं विदितबेदश्रु
तिबानी २४४ ॥ रागमधुनाटचौताला ध्रुपद ॥ ध्यान
वीचमिलैमोहिं बिन्ध्याचलमाई । देवपूजिशीश
नाइत्राहिमातुतुहीआश तुम्हैंत्यागिजाउँनाहिंत्रि
भुवनउपजाई । रक्षरक्षशब्दबोलिदैत्यनाशकरो
देविबिनयसुन्योबेगिआपुप्रकटगौरिआई । बिन
तीक्षितिपालदासआशरहैमहारानि भक्तिचरण
ज्ञानदेहुत्रिभुवनसुखदाई २४५ ॥ रागखंभाइचिहोरी
धमारि ॥ रामलषणरचिसुभगफागरी । तियसमा
जसियसँगजुरिआईं परतरंगचहुंअमितगागरी ।
डफकरतालजाइदोऊमिलिबिहँसिगायसबमधुर
रागरी । लैगुलाललक्ष्मणधँसिआयो कनकरूप
धरिलियोनागरी । सीतालपटिलषणतनबोर्यो
छीनिलियोवहसुखपागरी । बंशआयक्षिति
पालचरणधरि मिलैअम्बअरुसकलत्यागरी ।
२४६ ॥ रागपर्ज होरीधमारि ॥ लखुधमारिवृन्दा
बनशोभित कृष्णलाड़िलीरतिमनसिजसरमा
ये। मलिगुलालचूंदरिहरिलीन्होंपकरिप्यारिघर
लाये । तियसमूहब्रजपतिरँगबोरेव श्यामल

भाजतगाये । देविचरणक्षितिपालबेगिदेसुन हुमहरिकेजाये २४७॥ रागकलांगड़ा ध्रुपदतालचौताला ॥ धन्यधन्यअम्बदेबि सुरपतिहरिशिवगणेशलोक चक्षुचन्द्रआदि चरणसुयशगाई। महासिंधुधार पारकीजैक्षितिपालबाल रक्षरक्षजगतरानिचर णतरणिपाई २४८ ॥ रागबिहागध्रुपदतालचौताला ॥ मैंतोमोहेवतोपैंप्यारी कैसीवहचालुरी। रूपवा नलागेवम्बहिंहृदयबीचशालुरी । तुम्हैंछलीजा नोश्यामऐसी बचनबोलुरी । टेरैवलालअधरपर बेणुनीकीतानुरी। अहोकान्हबोलोअब तेरीबात समानुरी। कुंजभवनसंगचलो शर्मयहनिबारु री । आरतक्षितिपाल चरिडचरणमेलिगाउरी २४९॥ रागशंकराहोरीधमारि॥आजुसखिखेलैंसँगला ड़िलीरँगपूरीचहुँओरी । चन्द्रकलाललताप्यारी पैंग्वालएकबलदोरी । नभदिशिघटाअबीरअँधि यारी लजितकामलखिजोरी । महामायक्षिति पालध्यानदेचिरजीवोतुवहोरी २५० ॥ शंकर ख्यालतालभूमरा ॥ ध्यानमहरानिकोचितलाय गाय मुनिजनपाय। यहक्षितिपालपगशिरनाय । हरि शिवसकलसुरनमिलिटेरत चाहीचरणकृपातरि

जाय २५१ ॥ रागख्यालतालझूमरा ॥ नाममहामाय को तूलीजैकीजैचितशोभनि क्षितिपालपगरस पाय। सुनुदयालुतुरतैबशिह्वौवै अधमचेतुध्यावो चरणशिरनाय २५२ ॥ रागसोरठख्यालतालयकताला ॥ सखिबरबशपियमेलतगहिबहियाँ मानतनहिंन हियाँ। कासोंकहोंसुनरीप्रियप्यारीकरजोरि बसनपीतडारतशिरमहियाँ। वहतोबशकरतना रि बोलतअतिमधुरप्यारि अधरारसपानधारि सवतिनकरुलजितजारि साँवलगहियाँ २५३ धनिनटवरबरनीकी तुवमतियादेखीमैंघतियाँ। डगरबगरललितादिकसहजोहीं लपटिकीन्हजो गतियाँ। बलिबलितुवचरणधरों घरिघरिअब सुनैकरों लखिलखि अबतुम्हैंडरों। मिलिमि लिवहयुवतिभरों प्यारीतुवबतियाँ २५४ सुन यमुनातटटेरैवहबँसिया कालीसमडसिया। लटकिलटकिचलतनाहकही प्यारीनगरडारत वहफँसियां। हैतोवहनायकपरकरुणानहिंनिक टतनुक रसबशनहिंचतुरकरै देखसुतुवअबहीं मारतशरगसिया २५५ ॥ रागध्रुपदचौताला ॥ ध निअम्बेपापीममतारी। हियबोलैबिग्रहजोधा

री । हृदयशुद्धअधमनकरिदीन्हीं खेलदेखिय
मजियभ्रमभारी। जयजयशब्ददेखिसुरबोलतध
निजनवैजोशरणातुम्हारी । मगनहोतक्षितिपा
लध्यानमें चितिकृहरोयशमातुतिहारी २५६ ॥
रागजाजवन्तीहोरीधमारि ॥ येनँदलालछैलकोपाइ
मैंतोजियकीतपनिबुझाऊंगी । अंजनलायभाल
रोरीदैकटिकिंकिणिपहिराऊंगी। करकंकणचूंदरी
ओढ़ायकेभामिनिरूपबनाऊंगी । दैकरतालनचा
इलालकोतबब्रजनारिकहाऊंगी । यहचरित्रक्षि
तिपालदेखिकैचरणकमलउरलाऊंगी । मगनक
रोराधाकिशोरिकोयशुमतिचरणधराऊंगी२५७॥
रागसेंदूराहोरीतालधमारि ॥ आजुब्रजमण्डलशोभितनं
दकुंयलसोश्रीवृषभानललीकेसंग । खेलतफागप
रस्परदोउमिलिउमगतप्रेमउमंग । चलतझकोररं
गकेशरिकोलखिनहिंपरतपतंग । लैलैग्वालरंग
मेंमेलतगावततानतरंग ।दैदैतालगोपगोपीजनना
चतपरमसुभंग । बाजतबीणसितारढोलडफताल
मधुरमिरदंग।अरुणभईयमुनाअबीरतेबरसेचहुंदि
शिरंग।देखिमुदितक्षितिपालप्रीतियुतछबिलखि
लजितअनंग २५८ श्यामघनिरीतितिहारीलाज

नश्रावेबरबशकरहिमरोरी। पकरितोहिंभामिनि करिसाजोंसपथकांधमलोरोरी २५६॥ रागमालकौ सहोरीधमारि॥ नंदललावृषभानललीजीफागुनबीच रचीशुभहोरी। मोरपखाशिरमुकुटबिराजतसारी नीलबनीयहजोरी। ध्यानकरतचतुराननगावत अतिबिचित्रयहयुगलबनोरी। चढ़िबिमानसुरग गाजबश्रायेख्यालदेखिसबचकितभयोरी। मुक्ति हेतुक्षितिपालकहतयहबिनय सुनेत्रिभुवनप्रभु मोरी २६०॥ रागमालकौसख्यालतालतिलवाड़ा॥ मैया सुनुमेरीश्रबशरणश्रायेकीयहक्षितिपालतिहारो। दासबहुततुमतारीश्रंबेमम श्राशायहचरणसहारो २६१॥ रागसोहनीध्रुपदगणेताल॥ चलोछबिदेखैंरसि कनंदलालकी। टेरनमुरलिलटकवहचालकी। ब सनपीतकरलकुटबिराजत प्रकटचंद्रबर्णतवहभा लकी। चरणगौरिक्षितिपालदेखावहुहरहुमोहज गभ्रमवहजालकी २६२॥ रागसोहनीध्रुपदचौताल॥ बलिमैंजाउँसुभगबनवारीपै वाकेनयनचलतछ बिसारीपै। मुकुटचारुमुरलीमुखराजितभौंहैंफरक बदनद्युतिकारीपै ममबैंरचितखचितबनमालाम नमोरेंबिहसनिद्युतिप्यारीपै। शरणशान्तिक्षिति

पालदेहुहरिफिरतबालअपनीमनुहारीपै२६३ ॥
रागदेवन्तप्रबंधतालयाचा ॥ प्रभुबिश्वउत्पतिकारखोबु
धिगतेहेहेजयजयकृपाभवपाला शंकरदुरितनाश
नजगतजनरंजनाईश्वरमहेशगिरीशा । गंगाधरे
जनसरनेशूलधरनजगमदहरनसरिधरभुजंगधर
भूतिसोभूपिताशंभोभवईशा । मदमदनमरदीभूत
पाहरदेवदेवदयालध्याइजयजयतारे भजेशंभोभ
जेशंभोभजेशंभो२६४ ॥ रागबिहागराहोलीतालधमारि ॥
आजुचलुघेरिधरैंरीमदनगोपालहिकेशरिरँगबोरैं ।
प्रतिदिनक्केकिखिझावतमोकोमानश्यामकोतोरैं ।
मुरलीछीनिरोरिमुखमेलैंसकुचिलालकरजोरैं ।
ध्यानदेविक्षितिपालकृष्णदे . देखुकृपाकी कोरैं
२६५॥ शङ्कराभरणख्यालतिलवाड़ा॥गावतसखीसोहिला
नाचैरीबर्षगांठिगोपाला । अतिआनन्दसकलपुर
बासीमगननंदक्षितिपाला२६६ ॥ शङ्कराभरणख्याल
तालतिलवाड़ा ॥ क्योंनहिंध्यावैरेशठचरणभवानी ।
जाकीकृपाबिरंचिउचाहै सोक्षितिपालनजानी ।
२६७ ॥ शंकराभरनख्यालझूमरा ॥ जपोरेजगतमातुको
मनलाइवेदमुनीशनगाइ । चेतुचेतुक्षितिपालचेतु
चरणशरणपैजाइ २६८॥ रागतिलङ्गहोरीधमारि ॥ च

लोमिलिखेलैंप्यारीडफधुकारसुनि चहुंअबीरनभ छाई। मानतजीक्षितिपालनारिवहमनहुं बिज्जुसी आई २६९ सजिसखिआईप्यारोसखनटेरदीजै फागजीतमयनपाई । सप्तकरीक्षितिपालग्वालि मिलिमुरलिलीन्हिघरिल्याई २७० ॥ रागबहारताल कत्तारखानीचतुरंग ॥ चतुरंगदलदानवदलनिकिये। गहिकैकरकर बालकरालकालिकेसुरनरमुनिक रिअभयहिये । धाधरिसानिनिरेसरेससससगरेस धमधामपगसयामपगमधपग मधपगमधधनिस गसगगरेसारेरेसनिससनिधाधनिसा नाद्रितदी मतननतदारेततदानीतनदेर नातनदेरनादेरन दींदेरनदींदींतदरे दानीतान्नदेरतननदेरनतदरे दानीधाकिटतकधुमकिटितकधित्तातध्लांतक्धात थातथ्वाथोंथारिकिटि थोंगथोंगतकनगदिटथात क्ध्लांधुमकिटतधिन्नातक्ध्लां धुमकिटतकधि न्नातक्ध्लांतकधास बांक्षितफलक्षितिपालदिये २७१ ॥ रागईमन तालतिलवाड़ा ॥ चतुरंगचतुरसुघ सुघरनायगायसुनायदेबिदरबारजायजो मन बांछितफलचारिपाय मपगमपगपापापपसासा सरेगममगरे सनिधपमगरेसगगपासनिधपम

पधनिधुपमगमपधपमगरे गमपमगरेसनिसाध
नीपधामपागमारेगासासस दीम्तदीम्तननतदा
रेततदानीदियनारे दीयनारे तदेर्नादेर्नरे तरदा
नितदीदीदीम्तननदेगनदेगन दिगदिन्नादिन्ना
धुमकिटितकतिरिकिटितकधा टेगनेगनेगंनेगं
थुकुथुकुथुन्ना धाधाकत्तधाकत्तधाकत्त धाक्षिति
पालअभयबरदीजैलीजैसुयशमाय २७२॥ चैवट
रागअड़ानाबहारतालकेतारखानी ॥ कतूकतूक्रांधाधाकत
कतूक्रांधकिटतकधुमकिटतक धांकिडतकददगि
नधलधांनधधाधाधलधां नधधाधाधलधांनतताकि
टकिधाकथोंथोंगिदगिननकदिगदिगतेतेतेतेधाधा
तूनातूनाततक्रांतक्रांतकिधाकिटतकतक थुंतकथुंध्
धतुन्नकँतातकध्लांकध्लांधुमकिटतकध्लोध्लोधुम
किटतकध्लोंध्लांधुमकिट तकध्लांध्लांधुमकिटतक
धातिरकिट तिरकिटतकतकतकतिरकिटतकतिर
किट तकधाधितेधितेताकिधाम जगनिगधित्तात
थ्या२७३॥दोहा ॥ लोकरीतिअरुशास्त्रमत भेदरा
गव्यवहार। सोसबबरर्योंयथामतिबुधजनलेहुसु
धार२७४ जोरिपानिसुरवृंदकेडारिचरणपैभाल
भजनबिनयबर्णनकरोंमातुदासक्षितिपाल२७५

भैरवीजल्दतिताला॥ जोजनसेवैचरणभवानी। तिनको डरयमराजनभूलेहुकहतमुनीश्वरज्ञानी। नाहकपुरुबसुकृतबिगारतहोतक्षणौक्षणहानी। बिगरेबहुरिनसुधरैयातनज्योंमोतिनकोपानी। वहीएकजगतारनिकारणिकहूंशरणनहिंआनी। महारानिक्षितिपालध्यानकरुछांड़िसकलकलकानी२७६।

रागभैरवीतालधीमातिताला॥ क्योंनहिंमेरेकलुषहिजारै। जिनअसुरनसुरनाचनचाये। तिनकोतौतुवमारै। दलनघोरअबनामबिदितहै चितदैनेकुबिचारै। यातेश्रुतिबिरोधक्योंभासैउचितशीघ्रअवतारै। जोमनवचक्रमकपटत्यागिकैचरणशरणउरधारै। ताकोमूलिभावभोरेतेक्योंजगदम्बबिसारै। होंअतिदीनबिकलआरतबशअबबिनतीनंहिटारै। तेरोकहोजगतक्षितिपालहिबूड़तक्योंनउबारै। २७७॥ रागभैरवीअद्धाताल॥ श्रीचंडीचरणरतमन करिये। आवागवनबहुरिनहिंहोवैजगप्रमादमें क्योंपरिये। जाकोकिंचितसुयशबखानतकलुषधर्मदोउदरिये। कौनदेवदेवैयहशुभगतिकेहिप्रकारभवनिधतरिये। स्वप्नमोहजगनिश्चयजानोनिकटकालताकोडरिये। असबिबेकजोभासैमन

मेंसकलशोकआपुहिजरिये । होसन्मुखक्षितिपा
लबिमलतजिचरणमातुदृढ़करिधरिये २७८ ॥
भैरवीऋत्तारखानी ॥ गाइयेगुणचरणभवानी।आदिदेव
श्रुतिवेदबखानी। नेककृपाचारोंफलदेवैविदितसु
यशबांछितकीदानी। प्रणतपादजगदीशईशविधि
सेवैगुरुसुरेशमुनिज्ञानी । भणितनगीतक्षितिपाल
बालकीविदितकरोजयजयश्रीबानी २७९ ॥ गम्भा
लयथा ॥ हेशठभजोचरणमहरानी। जातेजननमरन
भयछूटतयमकीफांसीभानी। सुतबितनारिसायन
हिंजैहैंवृथाआपनीहानी। यहभ्रमजालस्वप्ननिशि
छनकोसत्यमानपहिंचानी । बाजीगरकोस्वांगदे
खिकैमूढ़होतअभिमानी। होईसोइअम्बजोकरिहै
मतिक्षितिपालभुलानी २८० ॥ रागतालयथा ॥
हेमनअम्बसुयशकबगैहो ॥ बारबारमानुषनहिं
होइहोक्याअवसरयहपैहो । देहआपनीसंगन
जैहैऔरकाहलैजैहो । कालकलेऊदेवनकीन्हों
फिरिपाछेपछितैहो । जाकोतुमअपनोकरिमान
तताहिनसोंतुहसैहो । चेतुचेतुक्षितिपालचेतकर
इहांफेरिनहिंऐहो २८१ ॥ भैरवीकेतारखानेताल ॥
हिंडोलारेझूलैंश्यामहमारे । लटकबालनुरली

करसोहैजियमोहेश्यामलतनकारे॥ दरशदेहुक्षितिपालराधिके बिनयसुनतदेवनतूतारे २८२॥

भैरवीतालकेतारखानी ॥ प्रियासंगश्यामखेलेआंखचोरी। गोपीभीरमुदितसबडोलेंयुगलचन्दशोभितवहजोरी।नयनब्याजमेलेवमृगनैनीउरप्रमेददेख्येकोउगोरी।चलोसखीइतहीनहिंआवोयहगिरिधरमालाममतोरी। अम्बचरणक्षितिपालदेहुरतिनन्दनँदनवृषभानकिशोरी २८३ ॥

सिंधुभैरवीतालकोवाली॥जयजयमहेशत्रिपुरारी।दुखहरणदीनसुखकारी। यहअगमसिन्धुभवभारी। प्रभुहवैकृपालमोहितारी। गावैंपुराणरबिचन्द्रआदितुवचराहरिबिधिगणेशसबतेरा।जाकोआदिअंतनहितेरो।बुधसिद्धिमुनिनितध्यावैं।मनबांछितकोफलपावैं।नारदधनेशयशगावैं। सुरराजचरणचितलावैं। क्षितिपाल बिनयसुनिलीजै। यहदानदयाकरिदीजै।निजनगरनेवासोकीजै। मतिअंबभक्तिरसभीजै२८४॥

रागतालयथा ॥अतिबिकलबुद्धिअकुलानी। सुनियेदयालमहरानी।मनबिषयभोगरसमानी। तातेतुवसुरतिभुलानी।जगबीचबड़ाईपाई।ममताप्रमादउरछाई। यहनिरखिअमितप्रभुताई। तहँ

सूरो आनि गँवाई। भवसिंधु घोर अति भारी। तृष्णा तरंग अधिकारी। अति विकट गैल अँधियारी। सूझै नहिं हाथ पसारी। कलि चहूं दिशा दर शावै। समता संतोष न आवै। ताहू पै लोभ बढ़ावै। सुत वित दारा मन लावै। यह भोगत है छनको। सुनु तजि विकार सब मनको। कछु काम न ऐहैं तनको। सतसंग करो सज्जनको। धन पाय दान नहिं दीनो। जपयोग ज्ञान रत हीनो। अविमुक्त तीर्थ नहिं कीनो। लखि रूप मोह लवलीनो। क्षितिपाल बाल तुव चेरो। जगदम्ब दया दृग हेरो। तुव पद भव कलि घिको बेरो। तातें करु पार सबेरो २८५॥ सिंधुभैरवी ताल कव्वाली ॥ दीनबन्धु दुःखदलन दया करु। दामोदर दनुजारि देवतरु। गोबर्द्धन गोपाल गोपपति गावत गीत गोपिन गोरस हरु। छोरन छोर छली छल छन्दन क्षिति छहरै क्षितिपाल छाहँ करु २८६॥ सिंधुभैरवी ताल कव्वाली ॥ कहँ लगि कहियो जिय को हाल। जानि बूझि सन्तोष न आवै निशि दिन रचत मोह को जाल। टारनहार कौन है या को लिख्यो अंक करतेरे भाल। चाख्यो रस प्रमाद उर छायो बीति गयो यह टेढ़ी चाल। होश करो हे चतुर जुवा री गाजत शीश केश गहि काल। अभय एक

जगदम्बशरणह्वैअनन्यचेतोक्षितिपाल २८७॥ रागललिततालकत्तारखानी ॥ सँगलालनलैवृषभानललो । खेलनशिशुकरिवनबाटचली । कोकिलपुकारनाचतमयूरझकिबेलिलताशोभाजोभली । बेणुटेरिगोपिनकोमोहतआपुलुकतकुंजनकीगली । चरणचण्डिक्षितिपालदेहुअबहृदयबीचसुनुकान्हछली २८८ ॥ रागललिततालकत्तारखानी ॥ अतिहुलासवृषभानसुतारी । कुंजबीचमिलिगयोमुरारी । बिहँसिदेखिप्यारिसिबबोलत औररूपह्वैगईकुमारी । सखिनवोरदेखतनहिंश्यामा श्यामरंगरँगिरहीदुलारी । अम्बध्यानक्षितिपाललाडिली बिनतीयहमैंकरततिहारी २८९ ॥ रागबिभासतालकत्तारखानी ॥ चरणलगेकीछोहकीजै अबमहरानिबिदिततिहारोयशजीवउपकारी । भलेदेवीनामकढ़ोताहूआपपारकियो मोहीकोअपारभयोभयो मौनधारी । जोईजोईतुवगायोसोईसोईगतिपायोशंकरदिनेशरामइनहिंउबारी । कोटिनसमूहजुत्थदानवनिशुम्भशुम्भ तेरोईत्रिशूलइनखलनसंहारी । चारिबेदआदिगायोध्याननहूनरूपआयो शरणकौनजावैआपुहीबिचारी । तेरोक्षितिपाल

बालबूझितकिसुनाहालपाछेपछितैहौ मातुविप तिबिचारी २६० ॥ रागबिभासतालकत्तारखानो ॥ कौ नसुनेगीमेरीमौनभईमहामाय सूझैनऔरदूजोच रणसहारो । पापिनमेंमहापापीखलनमेंएकैहौंम लोबुरोदासजानिबूझितउबारो । बालककीटेक सदामाताअतिभाव तेरोईत्रिलोकसुतयातेतुवभा रो । बिनतीकहालौंकरोंपूरीआशबेगिकरो राखो क्षितिपाललाजशरणपुकारो २६१ ॥ रागभठियार तालतिलवाड़ा ॥ सियपदनिश्चयवोटजोधरिये । सुत बितनारिआदि क्षितितलकेवृथामोहनहिंपरिये । ताड़नदेहुनिन्दभाषैकोउयातेकछुनहिंडरिये । शो कहर्षयकसमबिचारिकेबादबिवादहिहरिये । इ न्द्रिनबीचभोगकोत्यागनएकरूपलैकरिये । तौ क्षितिपालश्रेष्ठसुखभोगौ एकनिमिषनहिंटरिये । २६२ ॥ रागभठियारतालतिलवाड़ा ॥ करुमनध्यानअ म्बचरणनको । मुक्तिह्वोतहैयहीनामतेमिटैत्रास यमगनको । जोगतिसिद्धमुनीशनपावैंसोगतिअ पनेजनको । ताकोसुखसुरपतिनितजोवैछुटैमोह यहमनको । ऐसोकौनदेवहैसमरथगतिदायकत्रि भुवनको । बड़ाफेरचौरासीभोग्योलखुस्वरूपनि

जतनको। तृष्णालोभत्यागिक्षितितलकोकरोदा
नसबधनको। बांछितफलक्षितिपालदेहुअबरा
खुमातुयहिप्रणको २६३ ॥ रागपट्कत्तारखानी ॥ यशु
मतिकहैसुनोगिरिधारी। राधारमणमनहिंकिल
कारी। सूर्य्यवंशत्रेताबिचराजादशरथनामकहत
जगसारी। तिनकेपुत्रचारिअतिसुंदररामराजपितु
भारबिचारी। माताकहैंभारनहिंदीजैबचनमानि
तबबनहिंसिधारी। लक्ष्मणअनुजप्रियासँगवाके
जनकसुताभाषतबालारी। गिरिअरण्यबासउन
कीन्होंभूलीकनकमृगापरप्यारी। रावणअसुरछ
ल्योतहँआई सीताहरणदियोदुखभारी। धनुषध
नुषभैयाकोटेरयोयदुनंदनजूनयनउघारी। अबच
रणक्षितिपालबेगिदेबिनतीयहब्रजचंदतिहारी।
२६४ रागपट्कत्तारखानी ॥ महाशानिबिनतीसुनिलीजै
काशीदरशबेगिअबदीजै। दासहेततनधरनमातुजू
आशापूरणतुरतमकीजै। यहपुकारक्षितिपालचर
णमेंशरणमानिसुनियेतेरीजै २६५ ॥ रागपट्तालक
त्तारखानी ॥ सुनिअंबेबेलायहमेरी। कृपाकरहुआशा
मोहिंतेरी। हरनगरीततकालदेखावहुशीघ्रसिद्धि
ममकरुमतिदेरी। दयादानक्षितिपालबेगिदेज-

गतशरणासुनियेअबहेरी २६६ ॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥ बिनयनहींसुनतीमहमाया । त्यागिदेव सकलेतुवआशासेवकदुषकबहूंनहिंपाया। चरण सेइकाकेढिगजावेंब्रह्मशीशतेरोपगछाया । अन्य दासबहुतेतुवतारेनिजअनुचरकरियेअवदाया । लाजहाथतेरमहरानीअभयदानदीजेकरुसाया । तुहीशरणक्षितिपालबालको सकलछांड़ितेरोयश गाया २६७ ॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥ अम्बध्यान करियेहियमाहीं। बदनचारुउपमानहिंदूजीहिम करदेखिसकुचिपछिताहीं। मुकुटचारुभूषितशिर ऊपरमारतगडछबिदीन्हदेखाई । अतिबिचित्रबी रनकीशोभामनहुंमदनरथचक्रचढ़ाई । सुभगचा रिभुजचारुबिराजैकंजसनालहिमानमिटायो। मु क्तमालगरमध्यसुहायेलहरिगंगकीचरिबतायो । तीनिदेवबंदितकरजोरेसकलदेवजाकोमुखजोवै। यहशोभाकबिबरणैकैसेशेषसहसमुखकीगतिगोवै। जपैमातुक्षितिपालकदंबा । दरशदेहुकीजेनबिलं बा२६८॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥यहभाग्यचरणन नहिंदेखे । जोपदकोइन्द्रादिकसेवतनिकटपाइ ताकोनहिंपेखे। पापभंजिइस्थितभयचालेक्षमिये

चूकदरशदेमाई । सकलदासबांछितफलपायोमे टुप्यासचरणानलखिपाई । देरनहींसमरथकोचा हीदयादानकैसेअबजानी । बालकहठमैयाको प्यारोनहिंसुनतीक्षितिपालकीबानी २९९ ॥ राग अलहियाकत्तारखानी ॥ क्षमाचूककरियेमहरानी । च रणकमलसेवकनिजजानी । देवबाक्यचंडीजूदा नी।बिदितदासक्षितिपालभवानी ३०० ॥ रागअल हियातालतिलवाड़ा ॥ जोजनध्यानकरैश्रीमहामाय को । जगकोबनावैप्रतिपालैबिनशावैआपैकाल ऊडरतजाकीचहतसहायको । महिषासुरकोबिदा रयोरक्तबीजमारिडारयोभूतल उबारयोवेदचारि उकरिदायको । चंडमुंडकोसंहारयोशुंभऔनिशुंभ मारयोदेवनकोदुःखहरयोधरिदशकायको । कहि क्षितिपालकोदयालक्ष्मै बिशालभक्तिदीजैबरदान बेगिबिलँबनलाइको ३०१ ॥ रागअलहियातालतिल वाड़ा ॥ हेरेमनत्यागिविषयभजुअम्बको । काम क्रोधमदलोभमोहसबछोड़िजगतकेदम्भको । जा कीकृपाकटाक्षबिलोकनिसिद्धिसिद्धिपतिकियोशं भुको । अन्यदेवक्षितिपालआशतजिभजोमातुहे रम्बको ३०२ ॥ रागअलहियातालतिलवाड़ा ॥ जोज

नजानिभजैपदमहामायके। मोहछूटिअतिज्ञान
होतहैध्यावतचरणकमलचितलायके। गणपति
बिष्णुआदिसबगावतसुखीहोत बांछितफलपाय
के। बिनयसुनोक्षितिपालअम्बयहकरुनेवासआ
नँदबनआयके ३०३॥ रागअलहियातालकत्तारखानी॥
मोहिंराखिकेबेगिसुधारो। तोहिमातुबन्दौंकरजो
रेहियबिचतुरतैरूपपधारो। चूकदासक्षमियेमह
रानीत्रिभुवनकोतुवआपुउदारो। भवसमुद्रतरनी
पगुदीजेतुहीएकक्षितिपालअधारो ३०४॥ राग
अलहियातालकत्तारखानी॥ हैवहकवनराधिकाप्यारी।
यहपूंछैरुक्मिनिप्रियनारी। भवँरभीरगुंजैंजेहिऊ
परसोजानोवहनवलदुलारी। ब्रजपतिकियोछांह
पीतांबरमुरलीत्यागिवोढ़ावतसारी। पितानामकु
लधामबतावोधन्ययुवतिबलिजाउँतिहारी। सद
नजातिकछुकामनआवै बसिजनियेगोलोकबिहा
री। अम्बचरणक्षितिपालध्यानदेटेरतहैंगिरिवर
नखधारी ३०५॥ रागअलहियातालतिलवाड़ा॥ आ
जुसज्योराधाजूकोप्यारी मोहितदेखिभयोगिरि
धारी। कमलरूपमुखचंददीपज्योंभूषणचारुवा
ढ़नीकारी। बर्णौंकौनदेखिवहशोभाचेरीजानि

मदनकीनारी । ध्यानदेविक्षितिपालवेगिदेसुनियेहेवृषभानदुलारी ३०६ ॥ रागमलाहियातालकत्तारखानी ॥ सुनियेपाहिपाहित्रिपुरारी । एकबारजोजपैआपकोहोवैसकलबिहारी। होइदयालअम्बपगदीजेदासबिनयउपकारी । करोपारक्षितिपालअज्ञकोबिषयसिंधुभवभारी ३०७ ॥ रागमलाहियाकत्तारखानी ॥ आयसांवरोबेणुबजायो । सुनतबामप्रमुदितउरअंतरज्योंपपीहस्वातीजलपायो । हरितमुरलिअधरनअरुणाई इन्द्रजापद्युतिदासवनायो । बसनपीतकुण्डलकीडोलनिमदनदेवहियक्षोभबढ़ायो । यहस्वरूपउपमाकेहिदीजैशैलनीलपैचंदलुभायो । मिलैध्यानक्षितिपालअम्बकोसकलदेवतजितुवढिगआयो ३०८॥ रागमलाहियाकत्तारखानी ॥ यशुमतिसोहरिहिमकरमांगो । कटिकिंकिनिनूपुरधरितोरयोकरिमचलाइसदनकोभागो दुलहीनिवलराधिकालीजे सुनतलालहठमांगनलागो। शयनबेगिकरिहौतौपैहौगोदशीशदैफिरिउठिजागो। मायपुत्रलीलाकोदेखैब्रजबनिताधनिधनिअनुरागो । दरशमातुदीजेक्षितिपालहिजातेमिटैविषयभ्रमरागो ३०९ ॥ रागमलाहियाकत्तारखानी ॥

श्यामकेशगूंधैमनिगोरी। चंद्रावलिलालनढि
गआईऔचकसुमनमालहरितोरी। करदर्पणधरि
चतुरबिलोक्योमृदुमुसकातकुंवरमूखमोरी।द्वैप्या
रीतेहिमध्यकान्हजू कनकखंभबिचचंद्रलसोरी।
भृकुटीकुटिलयुगलबनितनकोमनहुंकुदंडवनोरी।
परस्योकान्हयुगलकरउरपर चक्रबाकयुगमनहु
दुशोरी।यहचरित्रचतुराननदुर्लभसोमोहनखेलत
सँगवोरी। महामायक्षितिपालध्यानदेदासदया
लक्षमहुममखोरी ३१० ॥ रागअलहियाकत्तारखानी ॥
सुनमैयामाखननहिंखाऊं। तूसुतबाबलिभद्रखि
याऊं। वागोदीहमकोनहिंपूछैशिरचोटीमहिंको
टिगुंधाऊं। अरेलालकैसेतूबोलतनयनदोऊतोपै
बलिजाऊं। उरमेंलईमातुलालाकोकिलकैहँसै
मातुतुवघाऊं। शक्तिध्यानक्षितिपालकृष्णादेचर
णआपुमैंशीशनवाऊं ३११ ॥ रागअलहियातालति
लवाड़ा ॥ सुतयशुमतिकोरासरचोरी। सजिश्रृंगा
रतूवेगिचलोरी। बजतबेणुअरुनाट्यतालयुतभ्र
मितदेखगंधर्वभयोरी। मोरमुकुटपीताम्बरशोभि
तजनुसुमेरुपैभानुकढ़ोरी। तिलकपीतबिचअरु
णबिंदुलखुकामजीतिजैपत्रलिखोरी। अधरदश

नबिहँसनिक्कबिदेखोमनहुतड़ितबिचकंजन्नसोरी बनमालाश्यामलगरशोभितमानहुरतिजयमाल दयोरी। गोपिनप्रतिनटवरबरडोलतबहुस्वरूपर तिकामनवनोरी। देहुज्ञानक्षितिपालकृष्णजूमातु चरणस्थितिमतिमोरी ३१२ ॥ रागअलाहियाताल तिलवाड़ा ॥ मैंतोपरीश्यामकेफंदा। बांकीभौंह तिरीछीचितवनिवहमुखअतिशोभितचंदा। झूठी बचनकुटिलअतिनागरमैंभूलीमतिमंदा। मुरली तानफांसडारतगरयुवतिनआनँदकंदा। स्वहिंदे खाउप्यारीवहमूरतिवहसुतयशुमतिनंदा। तीनि लोकबैकुण्ठबिहारीखेलतप्रियकलछंदा। मातुच रणक्षितिपालदेहुतुमब्रजदूलहसुखकंदा ३१३ रागलहासाखतालकत्तारवानी ॥ बालाशिवामहामायभ जुभजुसुनुमनदेवीमायकालीजूहिमवानकीनंदि निश्रीभवानीबर। अष्टपानिजगकारणितारणि दैत्यबिदारणिदेवउबारणिपारब्रह्म परमेश्वरप रपरशुम्भविध्वंसनिधरनिचापशर। गौरीकाशि रानिभवभंजनिमायादरसुरारिमद गंजनिमहि षासुरअरुरक्तबीजपापिष्टप्राणनहर। दुर्गादीनद यालदलनिदुखजयजयजगतजननि जनरंजनि

यमयातनाज्वालजुरजारनिछोहछांह क्षितिपाल छत्रधर ३१४ ॥ रागललितासाखेकत्तारखानी ॥ ताराउ माशंभुरानीजपुजपुहेरेमन चंडीकमलापार्बती मिथिलेशकिनंदिनिदुसहदुःखहर । आदिशक्ति बिन्धेश्वरिअम्बालक्ष्मीसीतासतीईश्वरी महा रानिसिद्धेश्वरिभीमात्रिपुरसुंदरीरमासर्बपर । त्रिपुराशैलसुतामातंगीबाराहीरुद्रानीगिरिजाबा गेश्वरीभैरवीभद्राअसुरदुष्टदर । दक्षसुताशंकरी सरस्वतीचामुण्डाशारदाकामदा ब्रह्माणिमबरा गीबिमलाचरणकमलक्षितिपालदेहुबर ३१५ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानीताल ॥ करुअरोग्यभगवतिबर दानी । दासदुःखहरियेअबबेगिहिपाहिपाहि बिनवतजगरानी । सेवकमानसदाचरणनतव ह्वैकृपालसुनियेयहबानी । तुवअनुचरक्षिति पालकहावैकागतरनिज्योंआशभवानी ३१६ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानी॥गहोअत्रसुनियेजगदम्बा।शो चदासभूलीतुवअम्बा। शुंभशीशपलमेंहतिडारी सोकृपाणतजिदीन्हीमाई । महिषमुंडकाट्योत्रि शूलतेसोत्रिशूलकालीधरिआई । रक्तबीजजेहिश रतमार्योताकोअबकुंठितकरिजानी । धूम्रदुष्ट

श्वासातेजारयोप्रकृतिमातुअवधारयोआनी। कहँलगिगनोंनामअधमनको कोटिनयुत्थनिमिषमहँखडी। यहअवसरक्षितिपालदासकीसकलआशपूरणकरुचंडी ३१७ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानी ॥ बेगिसिद्धिकीजैमहरानी। नहिंअलम्बमोकोअबआनी। अन्यदेवभूलेहुनहिंजानतशरणएकतुवजियबिचठानी। जोचाहौसोकीजैमैयासेवकलोगकहतयहबानी। चरणपूजदेखौंमुखकाकोशास्त्रकहतअरुवेजूदानी। तीनिदेवआननअवलोकतरक्षरक्षहमातुभवानी। यथानामकीजैहेचंडीमहाअन्नक्षितिपालहिजानी ३१८ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानी ॥ आजुमाइकीजागसुहाई। रतनमयीथलवहअतिराजितकलशदीपजनुप्रकटजुन्हाई। नारदादिमुनिगानकरतहैंवेदपढ़तचतुराननआई। चमरछत्रगणपतिकरलीन्हेंपूजकवरतहँभयोकन्हाई। वरबाहनकेहरिवहशोभिततेजतरणितहँजातछपाई। त्राहित्राहिक्षितिपालपुकारततुमबिनुमोहिकोकरतसहाई ३१९ ॥ रागसरपरदाकत्तारखानी ॥ निठुरभईसुनतीनहिंमाई। दीननपालबिदिततुवगाई। असुरनाशक्षणमेंकरिडारयोदेवनबिनय

सुनतउठिधाई। यमनत्रासतंतुरितउबारोनाथशं
भुचरणनदेखराई। सुनोमातुक्षितिपालबालकी
दासदयालशरणअबआई ३२० ॥ रागबरपरदाकत्ता
रखानी ॥ श्यामलाड़लीरासमचायो। गोपीगोप
देखितनशोभाकामदेवरतिसुखहिछपायो। अधर
लालमुरलीकैटेरनिमानहुंइंदुसुधाबरसायो। ति
यसमूहश्यामलकोदेखैजैसेचन्द्रचकोरबनायो।
नाट्यवादिवाक्षणकोवर्णैइन्द्रसभाजनु जीतिल
जायो। धन्यमातुचरणनकीमहिमाजोक्षितिपाल
हिपारलगायो ३२१ ॥ रागमधुमासतालकतारखानी ॥
ममआशायकगौरिचरणकी। हरिशिवब्रह्मआदि
कारणतूवेदबिदितयशदासतरनकी। पगपरसत
लरजतसुनिताकोयमहियत्रासप्रवेश करनकी।
जोप्रसादसुरराजबिलोकै सोदयालुगतिदेतनर
नकी। जोमातारावतपोषतअँग मानिछोहवह
क्रोड़भरनकी। सुनुअम्बाक्षितिपालबालकीनहिं
अलम्बमोहिंअन्यशरणकी ३२२ ॥ रागमधुमासकत्ता
रखानी ॥ पूरितकरुसुनुदासपरनको। सकलदेव
पूरितपादाम्बुजममआशातूअन्यशरणको। हरि
सुरेशचतुराननटेरत पाहिहेदुःखहरनको। तुहीं

अम्बत्रिभुवनकीकारणपादसेइतुवइतरतरणको। चारिवेदमहिमापदगावै त्यागितोहिकहुकौनशरणको । देहुमातुक्षितिपालबालकोनहिंबिलम्बकरुदरशचरणको ३२३ ॥ रागमधुमासकत्तारखानो ॥ हरिनिरख्योछबिप्यारिकुचनकी । मृगमदबुंदनीलबंदनबिचशशिमुखबिरिबिराजुरचनकी । मणिमालाहलकत उरझलकतबसनचारुकटिफेरिगचनकी । मत्तगयन्दचालललखि लज्जितरतिहियक्षोभबिलोकिचलनकी । ममभोह्योव्याकुलमनभावननिकटकहयोकछुबोलजवनकी । हेराधेक्षितिपालबोधदे अरुप्रतीतिनिजनिगमवचनकी । ३२४ ॥ रागमधुमासकत्तारखानो ॥ लखछबिरीतूश्यामठटनकी । कमलनयनशोभाकहिदीजेलज्जितरीलखिमीनमटनकी ।देखिभुवंगमक्षोभितहोवैशिरऊपररीशोभिलटनकी । भ्रमितहोतमृगराजलाजपैघनिधनिरी वहचारुकटनकी । शैलनीलपै भानुज्योतिज्योंलखियोरीफहरानिपटनकी । हरितबेणुटेरतब्रजदूलहनिरखोरीछबिछनकछटनकी । सुरभबीचबिहरतबनवारीसुखपेखोरीयमुनतटनकी । ध्यानअंबदीजैयदुनन्दनसु

नियोरीक्षितिपालरटनकी ३२५ ॥ रागमधुमासकेतार
खानी॥ जन्मपुत्रयहसुन्योनंदजबमंगलगानकरन
लागेसब । नारिउठायलालमुखचूमतयशुमति
तुम्हरोधन्यभागअब।गर्गआदिआशिषबहुदीन्हो
दानग्रहणकरिगयेपलटितब।गौरिचरणक्षितिपा
लध्यानदेत्रिभुवनरचितुमखेलकरतनव ३२६ ॥
मधुमासकेतारखानी ॥ दूलहआजुबनेयदुनन्दनस
जिबरातवृषभानुगयेघर ।मगनहोतप्यारीबिलो
किकैसुंदररूपबनेमोहनबर।तंदुलफेकिभामिनी
गावत मुदितग्वालसबहोतपरस्पर । ग्रंथिबंधि
राधासँगलालनसखीलेवाइगईंमगडफतर।कोह
बरमध्यभयेफिरिदोऊमेलतदीपश्यामअपनेकर।
भोजनहेतनंदकोल्यायोगारीदेतसकलनारीनर।
कृष्णपलटिगोकुलकोआयो प्रिययशुमतिलायो
अपनेगर। चरणशक्तिक्षितिपालदेहुबरहरोनाथ
यमराजबेगिडर ३२७॥ रागमधुमासतालकत्तारखानी॥
रघुनंदनजूआजुबनेबर । चलेभूपसजिजनकद्वार
पर। करिशृँगारयुवतीजुरिआईं गावतकोकिल
नादमनोहर । अक्षतवृष्टिकरहिंअनेकबिधिमा
नोंमघामेघलाईझर।द्वारचारब्योहारसकलकरि

ग्रंथिबांधिलैगइबितानतर । लोकरीतिकुलरीति बेदबिधिकरतसप्रीतिहरषउरनिर्भर । भांवरिफिरतसुभगदोउजोरीकौतुक भारदीपमेलतकर । सुखबिलासरनिवाश हांसबशफिरफिरहोतमगन आनँदसर । महाराजजोरीसुनिबिहँसतभोजनकरतहर्षिसिगरेनर । कुशलसबन्धुब्याहिघरआयेकोसुतरानिलाइलीन्हींउर । हर्षिकरहिं न्योछावरबहुबिधिमुक्तामणिमाणिकमोतीलर । सुनिचरित्रआश्चर्य्यमानिमनपूंछतमातुहर्षिउर अन्तर । केहिप्रकारसुतकरकमलनतेअतिकठोरभंजेहुपिनाकहर । मंगलब्याहउछाहसमयसोकहिनसकहिं सबसहससउबिधर । भानुकंबसिंतिपालबंशतुमशक्तिध्यान दृढ़करुणाकर ॥ ३२८ ॥

मथुराप्रकीतारबालो ॥ आजुनारिकौशल्यानृपतिके सुतप्रकटभयो । सजिअम्बरहारपै नाचंकि प्रकारजनशब्दरयो । पीतबसनतनचारुबिराजैमदनदेखिछबिलाजिगयो । सातदीपराजनजुरिआये कौतुकदेखतमगनभयो । पढ़तनामअक्षतदुबालैभूपनकेशिरतिलकलयो । गुरुबसिष्ठबिधिबिप्रबिसुनावत मणिमुक्ताकोदान

दयो । देखिरूपलक्षणरघुबरको मारतयड जनु
युगलउयो। करहुरामक्षितिपालदासकोब्रह्माणी
कैचरणधयो ३२६ ॥ रागमधुमामकत्तारखानी ॥ सारी
ब्रजनारी जुरिबनहिं गईरे । शीतलनीरभानुजा
डोलैपुष्पितलतानईरे । धेनुसाथमोहनतहँआये
देखतबामचलीरे । अतिबिलासलालाबाघूमैंखी
चतपकरि मलीरी । मुकुटपीतप्यारीक्षणधारैं
श्यामलहारहरीरी। यशुमतिधन्यभूमिवहधनिहै
धनिवाखेलकरीरी । तीनिलोकदेवनजोबंदितगो
पीसहज लईरी । अम्बध्यानक्षितिपालबेगिदेता
रतदीनहईरी ३३० श्यामलरासरच्योवृंदावन ।
देवबधूसबदेखिभ्रमितमन । राधासँगनटवरबर
नाचतन्योछावरिजियकरतसखाजन । बशिकरि
बोगोपिनकेकारण बहुस्वरूपधरिलियोत्यहीक्ष
न । कोलहेतुयहकियोलालजी लुक्योजाइजहँ
लताअतिकघन । ब्याकुलह्वैखोजन कहँ धाईं
मिल्योश्यामहर्षितनारीगन । चंडिदास क्षितिपा
लदेखिकै तुमपरवारौंत्रिभुवनकोधन ३३१ ॥
रागधनाश्रीतालकत्तारखानी ॥ अम्बकहो जगदम्बकहो
मनइद्रादिककोमानदहोरे।गर्भबाससेवाजिनकी

न्हा। असनक्षीरमातातनदीन्हा। कृपामूढ़अज
हूंनहिंचीन्हा। भजोदेबिसम्मुखलवलीन्हा। क
छुककालखेलनसोबीते। द्वतियकालपोष्योबसि
तीते। त्रितियकालघेरयोजबत्रीते। अथाजन्मध
रयोबिचबीते। मुखबिहीनगौरीरतिहीने। कर
बिहीनलक्ष्मीबिनुदीने। पगबिहीनकासीबिनुकी
ने। शठकृतअहेबुद्धिमलीने। अगततोहिंहेअम्बपु
कारी। हरिबिरंचिदेवनतूतारी। दयापात्रझिति
पालबिचारी। त्राहित्राहिभवसिंधुउबारी ३३२॥
मायाभजोमहामायभजो जियअंतबेरपदलीनच
होरे। धनिस्वरूपमानुषकोपायो। अजहुंमूढ़
गौरीनहिंगायो। सुतबितनारिमोहमनलायो।
तृषालागिहरिनागतिधायो। भ्रमितजीवअब
कीमिलिपारी। बाराणसीनिकटउपकारी।
पाहिसुनतअम्बातूतारी। महामंत्रकाननबिच
डारी। अवसरभूलिजुवापछिताई। तनपवित्रबेगि
हिनहिंपाई। गतिअगम्यजानीकयोंजाई। अधम
चेतुकालीसुखदाई। क्षमाचूककरिये महरानी।
चरणकमल सेवकनिजजानी। बेदवाक्यचंडीजू
दानी। बिदितदासक्षितिपालभवानी ३३३॥

मातुजपोजगमातुजपो शठजन्मादिकको नाश करोरे। भुवनतीनिक्षणमें उपजाई। ब्रह्मसेइ रचनामतिपाई। आदिदेवबेदनबिचगाई। बिषयत्यागिटेरोतुवमाई। बिंधत्रिकोणवासजनकीजे। महामंत्रअम्बायहलीजै। करिबिरागरागहितजिदीजै। ह्वैअनंदअमृतरसपीजे। हरिदिनेशआदिकमुखजोवै। कालआयतेरोपगधोवै। भययमजीतिनामयशहोवै। यहअलभ्यक्योंसोवतखोवै। पापपुंजहतियेततकाला। ह्वैदयालुहरियेभ्रमजाला। याचतजोरिपानिक्षितिपाला। रटौनिरंतरश्रीयुतबाला ३३४॥ राग धनाश्रीकत्तारखानी॥ देबिकहाहेदेबिकहोजड़ क्षणकलोकतजिचरणमिलोरे। शिवबिरंचिकृष्णादिकगावें। पगनसेइबांछितफलपावें। हेकृतअमैयानहिंध्यावे। भूलिबुद्धिजगमेंमनलावै। धनिमनुष्यगिरिजापुरबासी। कहियमराजकरतउपहासी। भक्तिमुक्तिजिन्हकेगृहदासी। ह्वैअनन्यकाटोभ्रमफासी। ग्रामधामधनबिप्रनदीजे। ब्रतजपयोगस्वच्छतनकीजे। करिसतसंगज्ञानरसपीजे। दरशबेगिबालाकोलीजे। कासिराजिकरिये

नहिंदेरी। पाहिपाहितोकोमैंटेरी। शरणापाइका कोअबहेरी। हैक्षितिपालआशअबतेरी ३३५॥

रागदेवनाट तालरूपक॥ दूलहचारिकिशोरग्रंथबंधन कियो। पुलकितदोउभूपालमगनसकलेहियो। भूषितमणिमैंमोरधनुषकरबीचलियो। पीतांबर कटिफेंटश्यामसमलादिये॥ जनकसुताकोदेखि लजितभैमगनतिये। बरषैंसुमनसुरेशदेखिह र्षितजिये। भजोमूढ़महरानिजगतवहरचितकि ये।सुधारूपपगअम्बबालक्षितिपालपिये ३३६

लखुवरातछबिभीरमेघ ज्योंउमड़िचले। सीताहै तहँइन्द्र भानुसमरामभले। नभक्षितिभैतहँपूरि भीरछबियुगलमिली। देखिकामकोरूपनारिमनो मिलनहिली। भूषितमुकुटविशालचापशरकरहि लिये। जनकपूजिपगभालपीतकोतिलकदिये। तंदुलफेंकत बालपररूपरभूपभये। शोभितहैवह जोरिमंडफतररामगये। भांवरिफिरतकिशोरसि यागरकरहिधरे। कौतुकगारिचरित्रदेखिसबम गनभरे। राजनकोदैमालअसनबहुभांतिधरी। गावतगीतपुकारिनामलैगारिझरी। कंकनछोरत हारिगांठिनहिंनेकुखुलै। गजकोकैसेछोनिशीश

चढ़िआपुहुले । करिप्रणाममिथिलेशदीनह्वैबि
नयकरी । कौशलधीसअशीशभैरिहियप्रीतिभरी ॥
बंशआपुक्षितिपालबेगिदेअसुरदली । अम्बचर
णकीप्यासउदितकरुहृदयकली ३३७ ॥ रागपी
लूतालकत्तारखानी ॥ गौरिपुत्रगणपतिहैदाता । देहु
भक्तित्रिभुवनजोमाता । शोकनाशसुखकरलकहा
वत यातेलोगजपततुवताता । अरुणबेषबंदितदे
वनसोमाथबिभूतिसुभगवहगाता । अंबदासक्षि
तिपालज्ञानकरुसंकठमोचनबुद्धिबिधाता ३३८ ॥
प्राणहरेमोरारेयाबँसुरीवारा । तानफांसचित
वनिउरबेधै बिकलकरीयशुदावारा । सुनोमातु
क्षितिपालबिनयकोदरशसुधाबरसोधारा ३३९ ॥
रागगौरीतालकत्तारखानी ॥ कहियोहोकुब्जाकीहाल ।
कटिशोभावाकीअतिनीकी देखिरूपमोह्योनँद
लाल । ताकीसरिपहुंचतनहिंकोऊ श्यामबुन्द
पोंछतहैं भाल । यहक्षितिपालअम्बपदमांगैबे
गिदेहुछूटैभ्रमजाल ३४० ॥ रागईमनमाऋतालकत्ता
रखानी ॥ बनावतलालनश्यामरूप । पियप्यारी
प्यारीपियशोभितलज्जितमनसिजभूप । मगन
भईललितादिकबनिता श्यामचिबुककेकूप ।

प्यासमेटुक्षितिपाल राधिकेदीजे चरणअनूप । ३४१ ॥ ईमनकौ।मांझकत्तारखानी ॥ लगावतलालन आपुइचोर । गेंदउछालपानिबरमेल्यो प्यारिनते बोलतमुखजोर । ललिताबिहँसिव्याजतेबोल्यो सांचिकहो सुनुनंदकिशोर । गईबातखोलतसयानन हिंनाहकहातूनयनमरोर । करोपाररराधेमहरानी यहक्षितिपालकहावैतोर ३४२ ॥ रागईमनकल्यानकत्तारखानी ॥ सियपदध्याउत्यागुभ्रमसारा । कोटिनअघक्षणमेंमिटजावै छोड़बिषयशठहारा । हरिबिरंचिचरणनकोसेवैतूरचनाबिस्तारा । सुताजनकक्षितिपालनामलैतरोंसिंधुभवपारा ३४३॥ रागदेशाख्यझपताला ॥ कबहुंतोद्रवहुगामातमेरिजानकी । तामरणपरसयुगचरणकी शरणतजिजाउँकहँनेकुअवलम्बनहिंआनकी । घोरअघशूलसमतूल पावकप्रबलबदतश्रुतिबेदरुचिरुचिरगुणगानकी । देखिसुनुसमुझिनहिंमनतअज्ञानताकबहुंनहिंबढ़तमतिप्रीतिसरसानकी । चहतजबस्वांसतेरचतत्रयदेवकोसूरशशिआदिबसुजामलै ध्यानकी । निगममुखसुनतमहिमाअमितयोसनिशितदपिआरूढ़चितपंथअभिमानकी । दहतदुखशो

कतिहुंलोकयशनामतुअकोक नददासघनसुखद
ानिभानुकी। करतमनुहारिकरजोरिक्षितिपाल
जनदेहुकरिकृपाहैप्यासमोहिज्ञानकी ३४४॥
कबहुमोहिंमातुनिजदासकरिमानिहौ।घोरगंभीर
भवनीरनिधिपारकरि परसिममशीशपरपंकरुह
पानिहौ। सकलसाधनरहितसमुझिकरतूति
जो मोरसुखत्यागिमोरमलिनमनजानिहौ।
पतितपावनबिदितबेदबिरुदावली बिमलयशु
मातुजगकवनबिधि ॥निहौ। यदपिमतिमन्द
कलिमलग्रसित मोहबशज्ञानगुणहीनअवगुणन
कीखानिहौ। तदपिनहिंशोचअघहरनतुवनाम
सुनिभुवनबिख्यातबरमुक्तिकीदानिहौ। कहतछ
लछांड़ितजिशरणतुवदूसरी आशबिश्वाससप
न्यहुनउरआनिहौ। देहुबरकमलपदप्रीतिक्षिति
पालकहँजननिजियमानिनिजबिरदकीकानिहौ।
३४५॥ रागझझौटीकतारखानी॥ बरदीजैबालेदास
को।हरिशंकरसेवैपगतेरोमोहिंमातुअबआशको।
चरणसेइतेरोहेअम्बेकीन्होंभानुप्रकाशको।असुर
खंडदेवनपुकारसुनिदीन्होंपरमनिवासको। गुरु
बिरंचिनारदसनकादिकहरयोदेबिभ्रमफांसको।

ह्वैकृपालक्षितिपालबालपैमेटुबेगियमत्रासको। ३४६ तनचेतोमैयानामको। भूलेहुजोकोउचरणा धरतहैदेतअचलसुखधामको। पावँरकीगणना कयाकीजैदीन्ह्योंगतिजिनश्यामको। जगपालन समरथप्रभुकीन्हींदासकृपालखुरामको। सुपथमा र्गधारोतुमहियतेछोड़मूढ़पथबामको। भजोबेगि क्षितिपालअंबकोत्यागुस्वभजगकामको ३४७ सु नुशठध्यानकरोप्रकटीमहरानी। ब्रह्माबिष्णुअंत नहिंपावतध्यानकरतमुनिज्ञानी। अतिबिचित्रशु भथलवहशोभितदीपावलिदरशानी। चमरछत्रम णिकलशबिराजितसिंहध्वजाफहरानी। जयज यशब्ददेवसबभाषतभक्तिहेतप्रगटानी। कृपाकरो क्षितिपालबालपैहेत्रिभुवनमहरानी ३४८ जोनर ध्यानकरैमाईजगदम्बको। जन्मादिककोनाशहोत हैसोईजानिभजोमूढ़माईकेकदमको। रामकृष्ण सबभजततुहीकोयाहीतेपायोहै पदपरमअगम्म को। महाकोपकरिअसुरसँहार्योदेवनदुखहरेव लायेवनबिलंबको। शिवसनकादिअंतनहिंपावत गावैचारिउवेदगुणारम्बको। बिनयसुनोक्षितिपाल दासकीदीजैपदकमलभक्तिअचलअलंबको ३४६

अद्भुतलीलातेरीमाई। राजहिरंकरंकक्षितिपतिसो क्षणमेंदेतदेखाई। विधिकोलिखोमेटनोकेहैचाहै आपमिटाई। साखीवेदपुराणप्रकटहैसकलमुनी शनगाई। जापदकोसुरपतिनहिंपावैताकोपावँर पाई। वहप्रतापनहिंअन्यदेखियतहरिहरचरित भुलाई। कृपाकोरजबहोइदासपरशंकरपुरीबसा ई। भलोबुरोक्षितिपालदासतुवअन्यकहांअबजा ई ३५० क्योंनहिंइच्छापूरणहोवै। बातबड़ी नहिंमातुआपकहँतुवतजिकाकोजोवै। मतिअनु- हारिदेखिसुनिबूझेउसकलशास्त्रबहुवारो। जगत त्यागिमुनिद्रवतदासपरवेगिमातुअवतारो। शं करपुरीनिवासप्याससमसोपूरणकरुमाई। कोहै समरथदेवदूसरोकाकेपहँअबजाई। दासआशपू- जितसबकीन्ह्योंकहँलोनामगनाऊं। रहोजातक्षि तिपालबालतुवचरणशरणअबपाऊं ३५१ कौ नतकाकोनिशिदिनध्यान। हेनिर्बुद्धिनेकुनहिं सूझैअजहुंचेतुत्यागुअज्ञान। जीवब्रह्मयकद्वैकरि मानतयथावारिबीचीपरमान। दृढ़बिरागलैरू पब्रह्मणीसकलशास्त्रमतिवेदपुराण। बिधिहरि हरकोउसेवैगावैगणपतिपूजिहियेमेंमान। रेम

तिमन्दबिचारिभूलतजि कहुंआवतहैंगूंगोगान। वृथाकालकयोंभूलिगवांवै अवसरयहीचेतुनहिं आन। लैसमाधिक्षितिपालएककरु जोपैअन्त चहतकल्यान ३५२ कौनहैभावीमिटनवार। चाहैमनसन्तापबढ़ावैहोनीयानिवसैकर्तार। दुख कोऊस्वपनेहुनहिंचाहत भावीप्रबलदेतशिरभार। वृथामोहक्षितिपालजगतको चरणअम्बय करवैनहार ३५३ जोमनचाहैसोनहिंपावै। ज्यों ज्योंतृष्णासुखहिबिचारत त्योंत्योंदुखदरशावै। बलिचाह्योबैकुण्ठबासको पलटिपतालहिजावै। भोरतिलकअभिषेकरामको मातावनहिंपठावै। शम्भुशम्भुपहँआपुआइके कोटिनबिधिसमुझावै। नासूझैनहिंभावीप्रेरित दानवकुलहिनशावै। चाह्योकंसकूरआपहिकोकालनिकटनहिंआवै। क्षण मेंभयोऔरकीऔरैनाहकतर्कबढ़ावै। कालकर्मगतिअलखअगोचरस्वप्नमोहमनधावै। लिखाअंग क्षितिपालटरैनहिं मिथ्यामनभरमावै ३५४ रे मृगतृष्णमोहिंखिझावै। अरेमूढ़पीछानहिंछांड़त क्षणक्षणअधिकबढ़ावै। कोटिउपायतोहिंसमुझायों तापैनयनदेखावै। लैप्रतापक्षितिपालको

पलमेंतोहिंमिटावै ३५५ आजुछबिराधाचारुब
नीरे। गोलकपोलचन्द्रमुखकीद्युतितापरभौंहेंकम
नीरे। सारीनीलमालमोतिनकोकंचुकिसुभगतनी
रे। राजितरेखसेंदूरमांगबिच बेंदीनागफनीरे।
मेहदीबुन्दहाथमेंभूषित शोभाअधिकघनीरे। तुव
आशक्षितिपालबालको त्रिभुवनपतिरमनीरे।
३५६ सुधिभूलीटेरनिरातिकी। स्वपनेहुलालन
सुरतिकरतहैं ब्रजबनिताकुलजातिकी। बछरन
मिसुप्यारीबनढूंढ़त शोचतजीवघातकी। तजि
रानीदासीगृहनिविशित मोहबढ़ीवहबातकी।
शतशतबारचरणधरिबोलत हरिसँवरतवहबात
की। मेघकबहुंनहिंसुरतिहौंरटतरहैनितचातकी।
हमतोचहतप्राणनिकसनकोपैनकढ़ैंजियपातकी।
बिनवतयहक्षितिपालराधिकेबेगिभक्तिदेमातुकी।
३५७ छबिदेखोप्यारीलालकी। कचकुण्डलबिहँ
सनिभ्रूफेरनिदेखुलटकयहचालकी। नीलशृंगपै
गङ्गधारहैछबिअनूपगरमालकी।धुनिमृदङ्गसुरली
कीटेरनि सुभगनात्यगतितालकी। प्रेमबद्धगोपि
नसँगबिहरत धन्यभाग्यब्रजबालकी। दरशदेबि
क्षितिपालसिद्धिकरु मिटैबेगिडरकालकी ३५८

श्यामछबिदेखतमोहीबाल। तिरछीत्योरमनहुंश
रशाल। लकुटबेणुपीताम्बरसोहत मोरमुकुटभू
षितबनमाल। सुनोचित्तदे बिनयहमारीभरोअंक
बिचहेनँदलाल। जगतशरणगोलोकबिहारीपूंछ
तफिरततियनसोंहाल। ध्यानअंबक्षितिपालबुद्धि
देमिटैमोहअरुभ्रमजगजाल ३५९ प्रीतियुतबिह
रैराधालाल। गावतमधुरसुभगदैताल। प्यारीसु
रँगश्यामपीतांबरबस्त्रचारुराजितमणिमाल। रूप
देखिचतुराननमोहैमोहेदेखिजोरिसुरबाल। ज्ञान
देहुक्षितिपालकृष्णजूचरणअम्बनितनावोंभाल।
३६० गावतमोहिलाजुरिआईरी। सदनसदनअति
मगननारिनरबाजततालबधाईरी। सकलनगर
लालनकोदेखैप्रकटचन्द्रद्युतिछाईरी। ध्वजपताक
चहुंतरफदीपमैबंदनवारसुहाईरी। लखिस्वरूप
मनसिजमुरारिकोलज्जितमनहिंपराईरी। महरि
सुखदबालकबिलोकिकैभरतगोदउरलाईरी। य
शपुकारिद्विजगणअशीसदैरटतचहूंनिधिपाईरी।
दामोदरक्षितिपालबालको देहुचरणश्रीमाईरी
३६१॥ रागपहाड़ीझंझोटीधीमातिताला॥ शठमोहरेसु
धिकरोसुपथधरी। गाजतपासयमदूतमिटीबुधि

सिगरी। ताड़नदेतधरिकालवाजड़सुखबिसरी। पावतनहिंतुवपारवायहजगसकरी ३६२॥ रागगारा झझोटीकत्तारखानी ॥दधिशिरलियेब्याजतेहेरै। ललिताचरितदेखियोंबोलीयहबिकातनागरिनँदखेरै। सुनतशब्दप्यारीहर्षितमनबजिबावरिडोलतमुखफेरै। रसगाहकप्यारोयदुनन्दनजैयेनाजानतिगृहनेरे। चलुमिलिचलैंआजुयशुमतिपैनहिंकीजैअबबेरै। चरणादेविक्षितिपालकृष्णादेआशएकअबतेरै। ३६३॥ रागझझोटीकत्तारखानी॥ कोऊब्रननारीकुंवरकोबेलमायो। ललिताधामदेखितूप्यारीप्रकटरूपनहिंताहिदेखायो। आयसुमानिगईताकेगृहबहुप्रकारसोरूपदुरायो। औचकदीठगईपरतियकीसकुचश्यामतवशीशनवायो। लखिचरित्रक्षितिपालमगनमनसमुझिसोदशामोदउरछायो ३६४॥ रागगाराझझोटीकव्वीहोरीताल॥ गावैआयबधाई। नंदसदनबिचबालप्रगटभोत्रिभुवनसुखदाई। देतअशीसनारिगोकुलकीबलिबलिमैंजाई। बिबिधिभांतिअबदानदेतभेविप्रनसमुदाई। झँगुलीपीतश्यामतनसोहैरूपराशिछबिछाई। छठिआवतलालनकोमातादेखनसबआईं। घनिधनितुमहौमहरिय

शोमतिजिनयहसुतजाई । बेलाअबक्षितिपालबालकीचरणमातुपाई ३६५ देखोमाईकन्हाई । केलिकरतगोपीजलभीतर तबइनचीरचुराई । डरनहिंनगरबातनहिंभाषत झूठहिदोषलगाई । धनिमानोअपनेकोमोहनब्रजपतिआयकहाई । कारेअंगकामरीकारीगोरितियाभलपाई । देविशरणक्षितिपालदेहुअब श्यामचरणशिरनाई ३६६ ॥ रागगारातालकत्तारखानी ॥ अजहूंनहिंमूरुखचेतकरे । तेरेअघभूलेहुनहिंदेखतनिशिदिनक्षोभभरै । हारिलकैसीमोहलकरियादृढ़करअन्धधरै । सूझैगीसबअंतकालजबयमगणफांसपरै । यहपरपंचजगतकोदेखततदपिननेकुडरै । परेखाटयुवतीतनहेरतढूंढ़तअबहुंमरै । गुरुउपदेशबेदबुधमारगकबहुंनहींबिगरै । छोड़िभूलक्षितिपालअम्बभजुतौभवसिंधुतरै ३६७ ॥ रागगाराझझोटीकत्तारखानी ॥ चलियेरीदेखैंगोपालै । मुकुटचारुमुरलीपीताम्बरश्यामरूपशोभितनँदलालै । निकटजाइप्यारीसबदेख्योहँस्योमोहझूमतबेहालै । सुरतदेहुश्यामलजूसुनियेगौरिचरणप्यासाक्षितिपालै ३६८ रागगाराकत्तारखानी ॥सन्मुखहोतूअम्बशरणमें।चौदह

भुवनचराचरबंदितशिवबिरञ्चिलैवहीचरणमें ।
प्रियशरीरतेऔरकाहहैसोऊतौधरिजावै। माया
शत्रुफांसिरह्योतोकोअन्तपापफलपावै। पृथुदधी
चरघुआदिभूमिपतिचलतनारकापाई । कामेंतू
पावरगिनतीहैअजोसुमतिनहिंआई । नेतिनेति
कहिबेदबखानतअन्तएकमहरानी। हेक्षितिपाल
आसनहिंआवैभूलिहोतअभिमानी ३६९ पहिले
नहिंचेतोभूलिरहे। अबतोकालप्राणलछिदेखत
क्षणमेंचहतगहे। यहममताकाकौनबिगारयोबड़े
योगव्रतधारी। कौशिकगुरुबसिष्टगरफांसोपेखु
आपनीपारी। आधीदेहनारिसबभाषेरहतअधिक
अनुरागी। निकसतश्वासनेहहियहरिगेभूतभूत
कहिभागी। काकोकौनसंगकोकाकेअपनेस्वारथ
फांसी। दृढ़अनन्यक्षितिपालअज्ञभजुनगरनेवासी
कासी ३७० जोकोउअम्बचरणचितलावै। सोत्रय
तापनसाइक्षणकमेंअन्तरूपमिलिजावै। जोगतिह
रिबिरंचिशिवदुर्लभसमुझिमनहिंसकुचावै। सोजड़
अधमअघीअपराधीदासकहावतपावै। यद्यपिसुन
तगुणतनिशिबासरसबसमुझैसमुझावै। तदपिबि
षयबसिफिरतमोहरतमनसंतोषनआवै। भूलिग

योभूलतनितअवसरअन्यदेवजोगावै। धन्यधन्य क्षितिपालअम्बपदजोहियबीचबसावै ३७१ ॥

रागकाफ़ीतालकव्वोहोरी ॥ जननीतेहरिकोपकरोरी। मोयहतेअबबेगिटरोरी। बलदाऊतोकोअतिभावै वाहीकोतुवगोदभरोरी। यशुमतिक्योंहकरतसमुझावतझूठग्वालकोउआइकहोरी। बलभद्रहिको दूधपियावतमोहिकहततुमघरहिचलोरी। सुत वहनहिंकछुहैमेरेप्यारोबचनसुनतमैंबहुतडरोरी भक्तिमातुक्षितिपालदेहुबरआशाकरिमैंचरणधरो री ३७२ ॥ रागबहारतालकत्तारखानी ॥ चंडीकेचरण रतवहीएकतरैगो। औरकेभरोसेबड़ोफेरफारपरैगो। कहोंसमुझायजोपैहितमानिकरैगो। गोपद ज्योंभवनिधिकेपारपाउंधरैगो। पाहनकीलीक जानुकालप्राणहरैगो। बेगिहोसचेतनहींद्वारद्वा ररैगो। बूझिकैअबूझिहोतकैसेकाजसरैगो। अम्बकीशरणक्षितिपालदुखटरैगो। ३७३ ॥

रागईमनबिभासकत्तारखानी ॥ धाइधाइप्यारोगहै माई गरमेरो। जोईनहिंभावैमोको वहीहठप्यारी पियतोचहतरसअधरचाखनकोमोको। तोलगत वहजैसोदुखभारो कुचभुजमेल्योप्यारोदशनक्षत

नदयोऐसोनिर्द्दयबाबानंदजूकोबारो। छोड़तनक्ष
णभरिकहोनहिं मानतवहसहोकैसेजावैदुखभयो
गरहारो। जैसोतनतैसोमननामहूवैसहीपायोश्र
धरबिराजैवाकेबन्शीरूपकारो। फेरेमुखैहँसैस
खीमधुरबचनसुनिहियक्षितिपाल मोदतनमनवा
रो ३७४॥ रागबहारकत्तारखानी॥ मेरेतौउसीलोबड़ो
वहमहमायको। औरकोपरेखोकौनभलोवारश्रा
यको। तजिसुरसरिनीरसहितश्रन्हायको। करमीं
जिश्रंतबारमूढ़पछितायको।तीनिलोकक्षणमेंकहो
उपजायको। जीवपशुपक्षीजलथलप्रकटायको।
जितदेखोतितवहीवारदरशायको। काकोक्षिति
पालभजैदूजोकहीश्रायको ३७५॥ रागमलारताल
तिलवाड़ा॥ बीथिनतेदोउभीजतश्रावत। पीताम्बर
प्यारीशिरडारतमोहिततानमधुरसुरगावत। बुंद
जालछबिघटामेघद्युति कालपाइहरिकंठलगाव
त। युगलचरणक्षितिपालश्राशहैज्योंचातकपिय
पियरटलावत ६७६ श्राजुचलोरीदोऊसाथ। च
न्द्रकलाचन्द्रावलिप्यारी खेलतश्यामलपटिगर
गाथ। पटबढ़ाइप्यारोमुखपोछैधन्यभाग्यजिनके
बशिनाथ। देहुश्यामक्षितिपालमातुकोचरणक

मलडारेमनमाथ ३७७॥ रागसोरठामलारीकत्तारखानी ॥ उनयेनभश्यामघटाकीरे । बिजुरीचहुंवोरछटा कीरे। नीलबसनप्यारीतनशोभित लालनपीत पटाकीरे । भुजमेलतबिहरतदोउहँसिहँसितिर छीभौंहमटाकीरे । रूपदेखिक्षितिपालधन्यझौ युगपदकमलतटाकीरे ३७८ झुकिआयेमेघछ बिछाईरे । दामिनिदमकैचहुंधाईरे । श्यामा लालप्रीतियुतखेलतअतिहुलाससुखदाईरे । दे खिदेखिवहमुखकोबिहँसत नरनारीसमुदाईरे । अम्बध्यानक्षितिपालकृष्णदे धनिधनिमैंबलिजा ईरे ३७९ ॥ रागदेशकत्तारखानी ॥ छबिश्यामसलो नेहियखटकै । मोरनिभौंहटेरनिमुरलीकीफरक निअन्तरमनहिंअटकै । फहरनिबसनदसनदमक निद्युतिबिहरनिचालुगोपिमटकै । शरणएकक्षि तिपालराधिकेमूरुखदेखुकहांभटकै ३८० बिन तीसुनियेबेगिहीजीवनसुखदाई । जाकोसुरपति चरणधरिनितकरतबड़ाई । बालकहठप्रियमातु कोयहप्रकटदेखाई । त्रिभुवनसुततेराबिदितकैसे बिसराई । नीकोहोअथवाबुरोतुवदासकहाई । अघमउधारनिनामकयोंश्रुतिप्रकटबताई । बूझि

परैनहिंनेकहुदेखतनिठुराई। करुकरुणाक्षिति पालपैजयजयश्रीमाई ३८१ झुकिआईरयनिअँधेरी रे। नहिंलालकोतुवहेरीरे। गरजतमेघरटत दादुरदिशि मारसेनचढ़िघेरीरे। देहुमातुक्षिति पालदासको ज्ञानविषयमतिमेरीरे ३८२ सुनि यतईशमोक्षबरदानी। यातेदुर्लभऔरकाहहैक्यों बिनतोनहिंमानी। आकधतूरबेलकेअर्चे भयोमु नीश्वरज्ञानी। देनिवासक्षितिपालशम्भुपुर भक्ति एकमहरानी ३८३ सुनरेमूढ़वासकरुकाशी। बनोआपनेहाथगँवावत डारिगरेभ्रमफाँसी। जा कोतुमनीकोकरिजानत होतचहूंउपहासी। यह ममतालखुचारिदिनाको क्षणक्षणहोतहुलासी। यहसुखजगकोदृढ़करिजानोभोगयथाबनितासी। करौचेतक्षितिपालअस्बभजु सोतीरथअबिनाशी ३८४॥ रागसेंदूरातालकत्तारखानी ॥ मनचकईचलुच रणसरोवरवहांनिशानहिंहोही। ज्ञानहंसमीन पूजकतहँ तपसीकमलफुलाना। दानीजनमुक्ता वहसरमें बिषयफाँसकितमोही। वहतड़ागनहिं मरैजाइजे।मित्रबिछोहनजानो। अन्तकालचरण नमिलिजावै ध्यानकरोतुवजोही। तृषामिटैतूगो

रीदर्शनसो तुरतैमोहनशाई । पानकरीक्षितिपालनीरयह टेरतमाइजोतोही ३८५ ॥ रागदेशईमन तिलवाड़ा ॥ पिकमोरशोरबनआजभई । राधालैमोहनकुंजगई । बलिबलिबयनकहतभामिनिसबरतिरतिपतिछबिछीनलई । कोलाहलबालकठौरठौरधनिधनिजियतोअबमोहिलई । मुदितहोतक्षितिपालबालसबदेखिचकितशोभासोनई ३८६ ॥ रागसोरठतालकृत्तारखानी ॥ बिनयबेगिसुनियेमहरानी। करनिभरनिवाहरनिमातुतू बिदितवेदयहबानी । यहसंकटनाशनिसमर्थकोदेवनदुःखसदातुवटारी। वहकृपाणतजिदियोमातुजू रावणमहाशीशहतिडारी । शांगपाशभूलेहुनहिंधारत जासोंमहिषासुरकोमार्यो । तज्योबाणधनुषाकरालको असुरयूथजोक्षणमेंजार्यो । डारिदियोकरतेत्रिशूलको रक्तबीजजोखाकमिलाई । रहीआशक्षितिपालचरणकी त्यागितोहिंकाकेपहँजाई ३८७ ॥ रागसोरठाकृत्तारखानी ॥ भाललिखाजगदम्बको तिलहूनटरैगो । मतिहीनोअभिमानतोकछुकरमहरैगो । बिधिहरिहरएकश्वासते कहुकाहकरैगो । गणपतिहूतनमैलसोउपकारकरैगो । जोचहुंओरचितैतू

फूलतअन्तबेरनहिंएकमिलैगो। होनीजोसोलि
खगई कामेरिलिखैगो। हवैअनन्यक्षितिपाल
ध्यानकरुजो चाहैजगदम्बकरैगो ३८८॥ रागभो
रठकत्तारखानी॥ महामाइराखिलेप्रणामोरा। संकट
मोचननामतिहारो क्योंबिदितचहुंओरा। ब्रह्म
इन्द्रमुरारिदेवनकोहैतुहीलौंदोरा। आपकोपद
कमलभजिकै लखोंअवरहगकोरा। कारणतूस
बकीमहरानी कौनबातकोथोरा। सदामानदा
सनकोतूराख्यो लाजराखुयहिठौरा। पापीम
हापतितअपराधी तुहीचरणलगिओरा। राखु
टेकक्षितिपालबालकी होइचहूंदिशिशोरा ३८९
ध्यानकियेतुवचरणको दुखगयोनकाको। साक्षी
वेदमुनीशहैं तिहुंलोकमेंयाको। दानवत्रासदेव
सबडोलत तबहिंचरणतकिताको। सुनतपुकार
आपुउठिधाईहत्योशीशशुम्भाको। जो रावणमु
खवेदसारकियो राजचहूंबसुधाको। भयोबिमु
खजबहीवहपापी नाशभयोलंकाको। जबजब
ग्लानिधर्मपैआवति तबहिकृपाकरिझाको। लै
कृपाणक्षितिपालशोकहरु होइअम्बतुवशाको।
३९० यहसंकटकहुकवनउबारै। तेंतिसकोटिदे

वत्सादिको ताहूकोतोआपुहितारै। हौंअघभरो अज्ञबालकतुव बूझिततोहिंउधारै। परोमातुक्षितिपालचरणपै यहबिनतीनहिंटारै ३६१ मेरो मनमोह्योप्यारोयमुनातीर। सुनोसखीअबमोहिं देखावो मिटैतपनिहियपीर। ऐसोनहिंचहियेतियतोको राखुहृदयबिचधीर। भक्तिमातुक्षितिपाल प्यासहै ज्योंपपीहरटनीर ३६२ प्यारीरिइनसखियनहरिखेलुभाई। सौहँकरतललितामुखऊपर श्यामबसतनिशिवाकेजाई। ललितासहितकान्ह धरिलावोदेखैंतोंकोकरतसहाई। ज्ञानदेहुक्षितिपालबालको सुयशसुन्दरीदिनप्रतिगाई ३६३ तोपैबशिभयोप्यारीनवलकिशोर। मानछोड़िचलियेब्रजरानी बनबिकासबोलैंअतिमोर। सुनो बिनयक्षितिपालराधिके पादकमलपूजोंकरजोर ३६४ बेगिकहुजनकशरासनकहांधरो। कौनहैमहीमेंगुरुधनुषबिलोकनवारो। क्षत्रिनबिहीनक्षितिक्षीरलोबिदितकरो। गाज्योमृगराजज्योंसमूहगजराजनिपै मौनतामहीपत्राशमानिकैसबैलई। माखैसुनिलषणबचनभृगुनाथजूकोफरकतबाँहमुखनयनभईअरुणई। जानेजगलोकद्विजराजराम

यशआपुबीरताबिदितआपआपनीभलीकही। ये रेनृपबालकबदनसृदुबानीकटु कालहूकोकालया कुठारबाहुजनदही। बहुरिबिलोकिमुसुकाइकैल षणाकह्योमुनिनाथ जीरणशरासनद्विखगडभो। काकेशिरधारोमहाघोरयाकुठारधार काट्योजोस हस्त्रबाहु प्रबलप्रचगडभो। बेलेमुनिकौशिकसों नेकुभृगुनाथसुनो क्षमोअपराधनृपबालकअयान ता। तारीतियागौतमसुबाहुताडुकाहूहन्यो की न्हीसिद्धिजागमेरीदेखियेसयानता। चरणलगाये रामकोसमेत बंधुदीन्हेंकरधनुषसोपणचसुधारि दिये। दीन्हाहैं अशीषक्षितिपालभृगुनाथचलेजय जयमिथिलेशपुरपूरितबचनभये ३६५ कौनह नैमेरेशोकको सुनुअनिलपियारे॥ कारणतुही पांडुकुलजीतेक्रोधतनकदशकगठबिदारे। पैठिपता लतारियमकातरिमहिरावणकोआपुसँहारे। राम बन्धुयुतल्याइसैनमेंबहुप्रकारसोनाथसुनाथसुधा रे। जोइककहोकालअतिदुस्तरतुलसि आदिता कलिमेंतारे। हैसभीतक्षितिपालद्वारपैत्राहित्राहि हनुमानपुकारे ३६६ कौनसुनैमेरीआशकोअति बिकलपुकारी। नहिंसूझतकहुंठौरदानितजिज्यों

अतिदीनभिषारी। अतुलितमहापराक्रमप्रभुमेंदा
नवप्रबलप्रहारी। शोकहरणबैकुंठधामपतिसेवक
जनकदुलारी। जामुखसियाशब्दभूलेहुसोसहैना
थदुखभारी। याप्रतापबलिभूलिगयोहैधौंकलि
सोकछुहारी। हंसबंशअरुदासअज्ञहौनातोबहुत
बिचारी। भलोबुरोक्षितिपालदाससियबूझततो
हिंउबारी ३६७ नहिंसूझतहैठारंकहुहोंशरणगु
सांई। आरतबिनतीनहिंसुनैकैसीप्रभुताई। पलि
वोप्रभुकोधर्महैतोहोतबड़ाई। तातेतुवअबकानदैत
जियेनिठुराई। संकटमोचननामतूयहबेदबताई।
मेरोसंकटआपुकोअतिदुसहदेखाई। हांकसुनतद
शकंठहूअतिबिकलडेराई। भोरसमयप्रतिदेवस
हूदिनकरसकुचाई। ऐसोप्रभुक्षितिपालकोदुखना
हिंपराई। उचितहोइसोकीजिये त्रिभुवनसुखदा
ई ३६८ मौनभयोहनुमन्तजू तजिकेहिपहँजाई।
तेरेनाशेनहिंनशै दुखहूमदपाई। पूरुबकीतजि
रीतियह प्रभुकबहिचलाई। दासनकोदुखमीचु
सोगलफाँसबँधाई। सेवकश्रीसियचरणके सप
न्यहुदुखपाई। मेरीबेलाभयोक्याऐसीनिठुराई।
पीछूप्रभुपछिताइहौ नहिंबेगिबनाई। बिनतीसु

निक्षितिपालकी सबदुरितमिटाई ३६६ जाकेके वलआशहै हनुमन्तबीरकी। ताकोभूलेहुत्रासन हिंत्रयतापपीरकी। यद्यपिहैकलिशीशपै प्रभुता दर्शाये। सपन्यहुन हिंडरजीवको हनुमतगुणगा ये। योगसमाधिध्यानसोंजोफलसो यकबारपु कारे। कोटिनआरतबिकलभीतिवश क्षणमेंलेत उबारे। दीनबन्धुदुखदलनआनको दृढ़करिनि श्चयजानो। गहोपादक्षितिपालनाथको तुरत शोकदुखभानो ४०० ॥ रागजाजवन्तीधीमातिताला ॥ महरधामयकयोगीआयो। डमरूशब्दसुनायो। जटाजूटशिरगंगबिराजत भालचन्द्रअतिभायो। बोलसुनतमोहनमचलायो रुकतनदुग्धपियायो। गोदउठायद्वारदिखरायो यशुमतिशीशनवायो। प्रणवप्रणवकहि भरयोअंकमें चूमिबदनदुलरा यो। महामन्त्रकाननबिचदीन्हों अधिककान्ह बिहँसायो। बड़ीभाग्यतुवसुनोमहरिजीजिनय हसुतउपजायो। पलटिचलेक्षितिपालस्वामितब शम्भूनामजतायो ४०१ ॥ रागकलांगड़ाकत्तारखानी ॥ भजोरेमनदेविचरणयशगीत। सकलदेवनोवै मुखतेरोहोयनामयमजीत। शरणवहीक्षिति

पालबाललेत्यागिकुटिलजगमीत ४०२ चलो रीसखीश्यामआयेतुवतीर । चरणलागुसुनुरीयह मेरीमेटुहृदयकीपीर । चंडिचरणक्षितिपालप्यास हैदेहुलालहेसीर ४०३ रागसोहनीकत्तारखानी ॥ आजुहरिआपुहींगेप्रियधाम । अन्यनारितोसेनहिं प्यारीसत्यवचनमानेसिमेरीबाम । त्रिभुवनकी छबितोपरवारों आनसखीतेनहिंमोहिंकाम । जाउचलेझूठेनहिंबोलोभलजानतहमतुमकोश्याम । छलहुजायचन्द्रावलिकोअब छांड़हुगेकैसेहुमोहिं राम । कौनग्रामवहबसतनागरीसुनोनहींमैंवाकोनाम । बिनुगुणमालछापबदनकोवहीप्यारिजिन दीन्हींदाम । चरणआशक्षितिपालचण्डिका देहु निरन्तरआठौयाम ४०४॥ रागसारंगसोरठकत्तारखानी ॥ महारानिअम्बपदध्याइये । निशिदिनबिधिज्यहि ध्यानलगावैं नातजिअनतलुभाइये । जापदकोहरिहरकरजोरैं महिमाशेषनपाइये । जाकीकृपानेकुम्भकुटीसों भानुचन्द्रदरशाइये । जबहिदुःखदेवनपैआवत तबतबवहीबचाइये । सकलआदिकारणसबकीवह बेदमुनीशनगाइये । यातेमूढ़औरकोजगमें कहिक्षितिपालबताइये । तजिपदपावन

प्रीतिपरशमणिगुंजालखिललचाइये ४०५ ॥
दोहा ॥ चरितसुकीरतिनन्दिनी रसिकशिरोमणि
श्याम । होरीमिसुबर्णनकरौंसुखदश्रवनबिश्राम॥
४०६ ॥ अथप्रकरणहोरीलिख्यते धनाश्रीतालकव्वीहोरी ॥
प्रकटआजुऋतुराजदेखिकैशोभाबेलिभई । चहूं
ओरपिकजोरशोरअति फूलीलतानई । कीरचको
रशारिकाकूकतमानहुमोहिलई । भौंरभीरक्षिति
पालचहूं दिशि गूंजतमगनभई ४०७ ॥ रागधना
श्रीमुलतानीतालयथा ॥ श्यामाश्यामफागुमिलिखेलैं
गोपनगोपिनसुखदभई । लैकरकमलकनकपिच
कारीमोहनप्रियअँगरंगदई । प्यारीकरलैकनक
गागरीकीन्ह्योहरितनरंगमई । सखिनसमाजसं
गलैनागरिघेरिलालकोपकरिलई । पहिराईचुनि
सुरँगचूंदरीसजिशृँगारकरिनारिनई । चलीलेवाइ
सबैकरधरिकैनन्दमहरकेद्वारगई । कहिक्षिति
पालकान्ह हँसिबोल्यो छांड़िदेहु मतिकरहुखई
४०८ ॥ रागपीलूतालयथा ॥ याब्रजराजकुवँरकोपाइ
मैंतोआजुइमनकिमिटाऊंगी । कटिघांघरिपहिरा
यलालको चूनरिचारुउढ़ाऊंगी । मोतिनमांगशी
शबिचबेंदी नकबेसरिपहिराऊंगी । गोकुलकीब

नितासबमिलिकै दैदैतालनचाऊंगी । कहिक्षिति पालल्याययशुमतिपैघूंघुटटारिदेखाऊंगी ४०६॥ रागकाफ़ीतालयथा ॥ सुनियेब्रजराजहमारी । ऐसीरीतिनहींहोरीकी जैसोफागकियारी । डफबजायमधुरेस्वरगावेबोलोबातपियारी नहींचलजाततियारी । कौनग्रामतुमबसतनबेली हैयहबातनियारी । धसिधमारियुवतिनकरिडारो लालनबचन दियारी घेरिसबसखिनलियारी । भैझकोरचहुं ओरजोरसोबिहँसतसकलजियारी । कहिपुकारि क्षितिपालत्यागसबमोहितमोरहियारी ध्यानगौरीकोप्रियारी ४१० ॥ रागतालयथा ॥ देखौअबश्यामतुम्हारी । केसरिकोपिचकातुमभारत खींचतचीरहमारी । छीनौंलकुटबांसुरीपटुकाकीन्ह्योंसबसकारी दांवअबमोरसँभारी । दौरिग्वालतियकोधरिलीन्हींतूसबभांतिलवारी । एकनारिबलबीरपकरिलयेविहँसीदेखिकुमारी तुरततेआपसिधारी । बीचकरीभामिनिसयानिकोउ लालनअंगखुभारी । कहिक्षितिपालयाचनातुमते बिनतीकुंवरतिहारी शक्तिहियबीचपधारी ४११ हरिसोंमैं धूममचाऊं । सारीबांधिमाथरोरीदै अंजननयन

लगाऊं। बेंदीभालमालमोतीगर भामिनिरूपब
नाऊं कान्हतेचरणधराऊं । गारीदेतद्वारघेरोजो
सोसबकसरिमिटाऊं । बांधौंश्यामआजुमेरोप्रण
गोपनभीरभगाऊं लालकोनाचनचाऊं । ढोटाछ
लीराममैंजानों देखतपकरिलयाऊं। साजोनारि
बेषताह्नकोबीथिनबीचफिराऊं राधिकहियुगलदे
खाऊं । हारेबिनुजानेनहिंपैहैंकहलोंबातगनाऊं।
फागुदेखिक्षितिपालकृष्णजू चरणनशीशनवाऊं
ध्यानगौरीपदपाऊं ४१२ श्यामतेचलिफागुमचा
ऊं। मांगसेंदूरकानमेंकुण्डलचूनरिसुरखउढ़ाऊं।
कटिकिंकिणिनूपुरपगपायल कञ्चुकिअँगपहिरा
ऊं मुरलिलैआपबजाऊं । पकरिचीरगठजोरिदो
ह्नकोहियकीतापबुझाऊं । बनितारूपग्वालकरि
डारोंराधहिमगनकराऊं सबनतेचरणछुवाऊं।भो
रआयगारीबनदीन्हो वहसबदरदमिटाऊं ।श्या
माजीतिकहैसबमिलिकै तबतौबन्दिछुड़ाऊं नहिं
लैमहरिदेखाऊं । लखिधमारिक्षितिपालराधिके
बिनतीआशसुनाऊं।रटोअहरनिशितुहीचरणको
शुभयशगाइबताऊं जगतनदपारलगाऊं ४१३
लालजोअबमोहिंबिसारी । हूलहियेमेंउठतमोह

कीबिह्वलदशाहमारी। सुनिपिकवचनजरैतन क्षणाक्षणामनसिजशरहिसुधारी सुरतिजबहोइपियारी। द्वारआइदेखौंनहिंकोऊ कहिकहौंदरदपुकारी। रहिरहिउठतव्यथानिबिरहकी पियबिनु सेजनिहारीपीरनहिंजातसँभारी। नीरबिहीनमीनगतिजैसेत्योंहींकहोदुखभारी। आवनआशआशहैतनमेंदेहुदरशबनवारी बिनयक्षितिपालहमारी ४१४ कान्हजीआजुफागुमचाई। खड़ेरहोनारीयहबोलैयदुपतिसखनबोलाई। फेकैंरंगदोऊमिलिगावैंसुरपतिनिरखिलोभाईधनिधनिछैलकन्हाई। राधागहीश्यामकोपटुकायुवतिनबसनछिनाई। गह्योबीरललिताकोसारी मुखमलिउरहिलगाईकुंवरकोतुरतछड़ाई। महाराजबिनतीयहमेरी हियबिचगौरिबसाई। हैक्षितिपालप्यासचातृकज्यों बेगिहितृषामिटाई जगतनदपारकराई ४१५ आजुचलुश्यामलघेरिघरी। बेंदीभालधारिकंचुकिउर छीनोमुकुटछरी। बीरीदशनमांगरोरीभरिदुलहीरूपकरी। मिलैमोहिंक्षितिपालश्यामजूकालीचरणतरी ४१६ सजिहोरीखेलतश्यामललो। डफसितारमुरचंगभेरिलैगावतगीतभली। छल्यो

छैलनारीसमूहकोसारीपकरिमली। महारानिक्षि
तिपालध्यानदे सुनियेकान्हछली ४१७ ॥ रागभ्र
म्भोटीकत्तारखानी ॥ होलियाआजमचाऊं ब्रजराज
सों। ऐसीखेलौंवारनहिंपावैं करिछलछन्दसमा
जसों। लेहौंछीनिपीतपटमुरलीनवलरसिकशिर
ताजसों। गहौंश्यामश्यामापगडारोंकरौंसकोचि
तलाजसों। गहिक्षितिपालअर्जमेरीयहमेरोत्रिभु
वनपतिमहराजसों४१८॥रागसिंधुम्भम्भोटीकत्तारखानी॥
आजुहरिराधाफागुभई। ग्वालिनिग्वालरूपअ
तिनीकोरतिमनसिजकोजीतिलई। परैरंगमेघवा
बरसैज्योंगोकुलक्कैगोअरुणामई। श्यामाघेरिकृ
ष्णाधरिलीन्हों बनितासोकरिरूपठई। सुनोराम
दुलहीयहलीजै निजभगनीअबमोहिंदई। आय
बीरसारीमलिडारीहँसीग्वालमुखमोरिगई। देरा
धेक्षितिपालबालको होवैनितप्रतिभक्तिनई४१९
रागईमनअलहियातालकव्वीहोरी ॥ मनमोहनपहँबेगिच
लोरी। आजुरचीव्रजमेंयहहोरी। जेहिसुखकोसु
रमुनिनहिंपावतसोसुखबहतइहांसजखोरी। बर्ष
तसुमनदेवगणऊपरधनिधनिराधाश्यामबनोरी।
लैगुलालरँगकीपिचकारी फेंकतलालसखनकीओ

री। बिनयसुनोक्षितिपालकृष्णजू रतराधाचरण
नमतिमोरी ४२० गावतकृष्णबेणुमेंहोरी। नाम
लेतमेरोसुनगोरी। मैंवाकोकबहूंनहिंदेख्योनाह
कललीलगावतचोरी। महाराजब्रजकेतुमजानो
नहिंमोकहँकरिहैंवैजोरी। दयाकरोक्षितिपाल
अज्ञपै अम्बध्यानकीकरुमतिमोरी ४२१ यदुन
न्दनयहरूपधरोरी। देखनसबसखिआजुचलो
री। श्यामालालललभयेश्यामा बड़ोभाग्य
ज्यहिदरशभयोरी। देखिमुदितब्रजकेसबबासी
अतिबिचित्रशुभफागरचोरी। द्वारद्वारप्रतिधूम
मचावतमनहरिलेतलगायठगोरी। देखिदेखि
क्षितिपालमगनमन चिरजीवीअबिचलयहजोरी
४२२॥ रागअड़ानात्तालबहारजति॥ तूनहिंभाजोमोतु
वश्यामसोहछला। तनअबलासीमनप्रबलासीर
चनासहसकला। घेरिजोपैहैंछांड़िनदेहैंभोरहि
तोहिंमला ४२३॥ रागईमनझफ़ोटीतालकञ्चोहोरी॥
भलीरूपबनाईरीराधामोहीश्यामदुलारा। भूष
णचारुअंगसबसोहैं मोतीमालसुरसरीधारा। प
करिग्रीवप्यारीकुमारिकोरोरीझोरिरंगशिरडारा।
महामायक्षितिपालभक्तिदे छोंड़िमोहहैध्यानति

हारा ४२४॥ रागदेशकल्याना ॥सखिफागुदेखुगि
रिधारी लखिमोहिदेवसबन्यारी।बनितानरा
सबगावैं छबिनिरखिमगनहोइधावें सैननतें
बातजनावै रंगभरीश्यामकोमारी धूंधुरिअबीर
निशिकारी।तहंटेरवबेणुमुरारी संगडोलैंनवल
दुलारी ग्रहिलालनेहसोंसारो तीनिलोकप्रभुत
हौ बिनतीयहश्यामलजूहै प्यासगौरिपदहूहै
क्षितिपालसुनोबनवारी ४२५ रचिश्यामलाल
ब्रजहोरी गहिसखीमेलिमुखरोरी।नारीसमूह
छबिजोहै इन्द्रादिककोमनमोहै लखिब्ररणिस
कैंअसकोहैं अतिशुभगकान्हअरुगोरी।गोरीपु
कारितियतासैं हरुपागबातयोंभाखैं रसकमल
नयनकोचाखैं अंगलपटिज्ञातबरजोरी।काशि
रानिपदपावों तौकृष्णआपकोगावों बिनतीक्षि
तिपालसुनावों अबतुरतमेटुसबखोरी ४२६
होलीधूमकरीनंदलाला सँगसखादेतकरताला॥
तियफिरैंसंगअतिनीकी रतिकामदेवछबिफीकी
सखिरूपवानघसिपीकीमनबँधोश्यामबनमाला।
उतफेंकिरंगजुरिआई इतग्वालभीरघसिधाई फ
सिमोहलालगरलाई वहबेणुतानतनशाला।

[illegible] क्षितिपालबिनयसुनिली
जै [illegible] त्रिपुरसुन्दरीबा
[illegible] ४२७ [illegible] हियहोतश्राजु
[illegible] । [illegible]निकोंचिकोंनी अरुमार-
[illegible] मनहंमना[illegible]कीनी घनिश्या
[illegible]गारी । [illegible]घरिआई मिलि
[illegible] सबनिमिलि[illegible]लगरलाई ति
[illegible]रंगपिचकारी । दरशगोरिअबदीजै बिन
तीतुरतैसुनिलीजै भजनसकलउरभीजै क्षिति
पालचरणतेतारी ४२८ भलीफागुरचीबनमा
ली प्रियनाचिदैतकरताली । लखिमोरमुकुटजि
यवारी मुखचन्दबदनउजियारी अरुमुरलिता-
नबलिहारी उरमोहकठिनशरशाली । तियरसि
[illegible]गहिलीनी तबअबिरमेलिमुखदीनी गर
[illegible]कान्हरसभीनी घरिछैलसखोरंगथाली।क
[illegible] सुनिकुंवरबिनययहमेरी
[illegible]अतिदेरी क्षितिपालदरशमिलैका
[illegible] ४२९ [illegible]कंजश्याममिलिहेरी सुनकुंवर
[illegible] । [illegible] जेकामदेवअधि
[illegible] जनुकान्हवेणुको

टेरी। संगसखीलालकोदखो बसिमयोचित्रज
सलेखो मिलिमोहबातदोउसीखो रतिभईम्रा
जतुवचेरी। तुवमहामायकोदीजै हियभक्ति
उग्रम्रवकीजै बिनतीवेगिहिसुनिलीजै क्षिति
पालम्रासहैतेरी ४३० ॥ रागपर्जतालहोरीकची ॥
सखिरीकहँकान्हलोभाने म्रायोबैरीबसंतनजा
ने। कोकिलकूकहूकउरशालतदबसमलगतपला
शफुलाने। बौररसालबानज्योंबेधतपल्लवम्ररुण
शरासनताने। बिरहबिकलक्षितिपालबालसब
कीन्हचहतम्रवप्राणपयाने ४३१ बिछुरिगयोम
रोश्यामकन्हैया। चीरहरनमुरलीकेबजैया। व्या
कुलफिरतम्रचेतबिकलम्रतिकबमिलिहैंवै सुखके
देवैया। धीरसमीरतीरसमलागतछोड़िदईसुधि
सुधिकेलवैया। बिरहबिकलक्षितिपालबालसब
कबमिलिहैंब्रजकेरबसैया ४३२ प्यारीरीतजिकु
बरलाभाने बधिकबसंतबानसंधाने। म्राहिश्या
मतनजरैंपीरतेकामदेवकरिजीवनिशाने। बिरह
भरेव्याकुलनिशिबासरकान्हबिनानहिंजीवनजा
ने। बिनययहीक्षितिपालकृष्णजूभक्तिदेइमोहिं
शंभुप्रियाने ४३३ ॥ भजनकूटलिख्यतेरागमलहियाकृत।

रखानी ॥ हियबिचध्यानकरोजनदुलारी । भूलेहुन हींघरैक्षत्रीकुलसोधारनप्रगटीवहनारी । असुर भक्षिपितुबसतजीवजोसोधारनकरिलियो कुमारी । बनबिचबसतसकलमानुषकोसोवाकोजीवन सुखकारी । पुरुषहाथनहिंमरैएककोउमंत्रपुत्रमा ताहतिडारी । अरिजाकोआरन्वबसतहैतास्त्रामी पूजितवड्प्यारी । जगतमोहजेहिअधिककरतहै ताअनुचरक्षितिपालबिचारी ४३४ समरबीचबै कुण्ठबिहारी कारनकौनभयोदुखभारी । युगल रूपबिचबसतलालजोतेहिअरिबलवभयो सुखारी। सुतगौरीवाहनभखुजोजियजेहिभ्रमतेधिरिग योमुरारी।चौर्यकार्ययककियोपुरुषकहुंतेहिभयोअ नुजलगिकारी । नष्टदेहकरिदियोदेवकोसोअस थलकोपलटिसिधारी । बनपतिमध्यखंडदोउसो हततातहिसुताक्षितिपालपुकारी ४३५ ॥ रागमहा नाकनारखानी ॥ रामजन्मसुनिजगतहुलासा बेग बाद्यकरिसकलहुलासा । देवगुरौओकुटिलएकहै गीतसमयबिचभयोप्रकाशा। भक्षिरूपतियप्रकट आपुहीलिखतसुघरतहँकियोनिवासा । भानुमि त्रजलबसतनामजोताहिभजीक्षितिपाल मयासा

४३६ ॥ रागदेशतालकव्वीहोरी ॥ सजिभानुतनयगृह होरी मुनिक्रोधप्रगटकीजोरी। निशिबीतिसमय जोहोवै दोउलैलैअंगभिजोवै प्रथमहिजोमा ताखोवै सोलपटिप्रीतिसोतोरी। यमनशोकबि चहोई हैभूषितवाथलसोई तत्तपानिशिरजो ई उड़िदिशापूरिचहुंवोरी। तूदेवसदाउपकारी सुनुहेमिथिलेशकुमारी यहदासबिनयअतिभा री क्षितिपालक्षमाभरखोरी ४३७॥

इतिरागप्रकाशसमाप्तम्॥

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
रामायण रामविलास	रामायण गीतावली स०	रामाभिषेक
रामायण तुलसी कृत	विनयपत्रिका बाबू मो-	आनन्द रघुनन्दन
रामायण सटीक मय	हन लाल कृत	हनुमन्नाटक
मानस दीपिका कोष-	तथा बाबू शिवप्रसाद कृत	**वेदान्त**
आदि	लिंगपुराण	
तथा जिल्द बन्धी	विष्णुपुराण	योगवाशिष्ठ
तथा मोटे अक्षरों की	भविष्योत्तर पुराण	आनन्दामृतवर्षिणी
मय तस्वीर व क्षेपक	वाराह पुराण	सांख्य तत्त्वकौमुदी
रामायण तुलसी कृत	गरुड़ पुराण प्रेतकल्प	पारस भाग
टीका सुखदेवलाल कृत	ब्रह्मोत्तर खण्ड	केनोपनिषद
रामायण तुलसी कृत	चित्रित माहात्म्य	
टीका रामचरण दास	**वैद्यक भाषा**	**काव्य**
रामायण तुलसी कृत		सुखसागर [illegible]
सातों काण्ड अलग भी हैं	निघण्टु	तथा छापे टैप
१ - बालकाण्ड	अमर विनोद	सूरसागर
२ - अयोध्याकाण्ड	वैद्यजीवन	कथासागर
३ - आरण्य काण्ड	औषधिसंग्रह कल्पवल्ली	विश्रामसागर
४ - किष्किन्धा काण्ड	अमृत सागर बड़ी	प्रेमसागर
५ - सुन्दर काण्ड	तथा छोटा	ब्रजविलास बड़ा या छोटा
६ - लंका काण्ड	वैद्य मनोत्सव	कविप्रिया
७ - उत्तर काण्ड	दिल लगन	विजय मुक्तावली
रामायण शब्दार्थ कोष	इल्लाजुल गुर्बा नागरी	अनेकार्थ छन्दोर्णव पिं०
रामायण का इतिहास	**नाटक**	कविकुल कल्पतरु
रामायण मानस दीपिका		रसराज
रामायण कवितावली	प्रबोध चन्द्रोदय	जगद्विनोद

नाम किताब	नाम किताब	नाम किताब
सतसई सटीक व मूल	ज्ञानभूषण पं० कृष्ण	बकावली सुमन
सभाविलास	बिहारी कृत	बहार दरवेश
युगुल विलास	सप्तशतिका	क़िस्सा हातिमताई
तुलसी शब्दार्थ	विजय चन्द्रिका	अपूर्व कथा
भजनावली	भूवनेश भूषण	क़िस्सा गुल सनोबर
प्रेमरत्न	सुन्दर विलास	सहस्र रजनी चरित्र
चित्रचन्द्रिका	रामचन्द्रिका सटीक	दास्तान अमीर हमज़ा
बारहमासा बल्देव प्र० कृ०	**राग**	रबिन्सन का इतिहास
मनोहर लहरी		सीता हरण
गंगालहरी	लावनी बनारसी कृत	सती विलास
यमुना लहरी	गीत रसिका	**मुतफ़र्रिक़ात**
पियूष लहरी	क़ानून सितार नागरी	
श्रृंगार बत्तीसी	**क़िस्सा वगैरह**	शनिश्चर की कथा
रसचन्द्रोदय व रसतरंगि		ज्ञानमाला
सुदामा चरित्र	नानार्थनाम संग्रहावली	गोपीचन्द भरथरी
नवीन संग्रह	ब्रह्मसार	कथा श्री गंगा जी की
पद्मावत	शिवसिंह सरोज	अवध यात्रा
प्रताप विनोद	भक्तमाल	भरथरी गीत
कालिंजर माहात्म्य	इन्द्रसभा अमानत कृ०	दानलीला नागलीला
सुधामन्दाकिनी	तथा मदारीलाल कृ०	रासलीला ठा० प्र० कृ०
शंकर चरित्र	[illegible]	[illegible]हावली रत्नावली
रामविनय प्र[illegible]		[illegible]री माहात्म्य
सखी विलास		[illegible]गोपाल सहस्रनाम
मनमौज च[illegible]		[illegible]सत्यनारायण
ज्ञानतरंग		इत्यादि

Bahsha Sastra
No: 13